सबसे जुड़कर हंसी खुशी बनाए त्यौहार 4

Website:- www.Janmarg.com

TITLE CODE:- T/RJ/2024/211

e-mail :morningjanmarg@gmail.com

निष्पक्ष एवं निर्भीक दैनिक

जनमार्ग

लोकतंत्र व निष्पक्षता का मार्ग प्रातःकालीन समाचार पत्र

श्रीगंगानगर, बुधवार, 15.01.2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य: 2 रुपये ● वर्ष : 1 ● अंक: 264 ● मो. 93526-86083, 77421-86692, 0154-2970692

मेटा को संसदीय समिति मानहानि नोटिस भेजेगी

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। फेसबुक, वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम को ऑपरेट करने वाली कंपनी मेटा को भारत की संसदीय समिति मानहानि का समन भेजेगी। यह समन मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के उस बयान को लेकर भेजा जाएगा, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोविड के बाद भारत में मोदी सरकार हार गई थी। भाजपा सांसद और कम्युनिकेशन-इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने मंगलवार को कहा कि मेटा को गलत जानकारी फैलाने के लिए माफी मांगनी चाहिए। सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने 10 जनवरी को एक पॉडकास्ट में कहा था, 2024 में कोविड के सरकारों का गिरना उनके प्रति जनता का अविश्वास दिखाता है। जुकरबर्ग के बयान के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था, भारत के चुनाव में 64 करोड़ लोग शामिल हुए थे। लोगों ने पीएम मोदी और एनडीए पर भरोसा किया।

कुंभ में पहले अमृत स्नान पर 3.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

» दुनिया का सबसे बड़ा जिला बना महाकुंभ नगर » लोगों को रेलवे स्टेशन जाने से रोका

जनमार्ग न्यूज

प्रयागराज। आस्था, समता और एकता के महासमागम महाकुंभ-2025, प्रयागराज में पावन मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर पवित्र संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगाने वाले सभी पूज्य संतगणों, कल्पवासियों व श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन! प्रथम अमृत स्नान पर्व पर 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य संतों/श्रद्धालुओं ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रथम अमृत स्नान पर्व के सकुशल संपन्न होने पर सनातन धर्म के आधार सभी पूज्य अखाड़ों, महाकुंभ मेला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्वच्छताकर्मियों, स्वयंसेवी संगठनों एवं धार्मिक संस्थाओं, नाविकों तथा महाकुंभ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों को हृदय से साधुवाद तथा प्रदेश वासियों को बधाई। आस्था, समता और एकता के महासमागम महाकुम्भ-2025, प्रयागराज में पावन मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर पवित्र संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगाने वाले सभी पूज्य संतगणों, कल्पवासियों व श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन! प्रयागराज में प्रथम महाकुंभ अमृत स्नान के अवसर पर 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य साधु-संतों एवं

श्रद्धालुओं ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संगम में पवित्र स्नान किया। श्रद्धेय संतों की पावन उपस्थिति में महाकुंभ क्षेत्र का संपूर्ण वातावरण और अधिक दिव्य एवं अलौकिक हो गया। यूपी के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने कहा कि महाकुंभ के दृष्टिगत प्रयागराज के आस-पास के धार्मिक स्थलों (वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, मिर्जापुर एवं चित्रकूट और मथुरा आदि) पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई हैं। जो भी यहां (महाकुंभ) आए, एक अच्छा अनुभव लेकर वापस जाए, यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ किया गया है। श्रद्धालुओं के सुखद अनुभव के लिए टेंट सिटी, अतिरिक्त शौचालय, रहने-खाने की सुविधा आदि हर चीज का ध्यान रखा गया है। प्रयागराज के संगम तट पर मंगलवार को मकर संक्रांति के दिन आस्था का जनसैलाब उमड़ा है। दोपहर 3 बजे तक 2.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पवित्र अमृत स्नान किया। महाकुंभ मेला 2025 पर उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने कहा, हमने प्रयागराज में रहने वाले लोगों के लिए उचित व्यवस्था की है। उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने कहा कि हमने प्रयागराज में रहने वाले लोगों के लिए उचित व्यवस्था की है। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 60 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। पूरे क्षेत्र को गूगल के माध्यम से नेविगेट किया जा रहा है। यूपीआई यानी सक्षम भुगतान प्रणाली लागू की गई है। साथ ही एआई यानी सक्षम टूल

पशु चिकित्सक व दलाल रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

राजसमंद। राजसमंद जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी की टीम ने पशु चिकित्सालय रिछेड़ में तैनात चिकित्साधिकारी दिव्यम जाजोरिया और उसके दलाल तरुण गमेती को 12,600 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी के एएसपी ने जानकारी दी कि राजकीय पशु चिकित्सालय रिछेड़ में पदस्थापित पशु चिकित्सक दिव्यम जाजोरिया को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष पर हिमाचल में रेप की एफआईआर

- हरियाणवी सिंगर रॉकी मित्तल भी आरोपी
- नौकरी और एक्ट्रेस बनाने का झांसा देने का आरोप

जनमार्ग न्यूज

पंचकूला। हरियाणा बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली (61) और सिंगर रॉकी मित्तल के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया गया है। ये केस हिमाचल के कसौली पुलिस थाना में 13 दिसंबर 2024 को दर्ज हुआ था। महिला का आरोप है कि उसके साथ कसौली के होटल में जबरन शराब पिलाकर रेप किया गया। इसके लिए रॉकी मित्तल ने उसे अपनी एल्बम में एक्ट्रेस बनाने और बड़ौली ने सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया। रेप के बाद उसे डरा-धमकाकर कमरे से बाहर निकाल दिया। उसकी अश्लील फोटो और वीडियो भी बनाई गईं। इसके बाद पंचकूला में उसे केस में फंसाने की कोशिश की गई। वहीं इस मामले में कसौली थाने के जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर धनवीर सिंह ने कहा कि इस केस की जांच की जा रही है। पीड़ित महिला विवाहित है। हालांकि इस मामले में उसने मेडिकल करवाने से मना कर दिया है। इस बारे में छ्स्क्कपरवाणू मेहर पंवर ने कहा कि बड़ौली और सिंगर मित्तल से पुलिस पूछताछ भी कर चुकी है।

खालिस्तान समर्थक सांसद की नई पार्टी का ऐलान

- अकाली दल वारिस पंजाब दे नाम रखा
- जेल में बंद अमृतपाल को प्रधान बनाया

जनमार्ग न्यूज

मुक्तसर। पंजाब के खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल की नई पार्टी का ऐलान हो गया है। इसका नाम अकाली दल वारिस पंजाब दे रखा गया है। मंगलवार को मुक्तसर के माघी मेले में सियासी कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा की गई। पार्टी का अध्यक्ष असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल को बनाया गया है। अमृतपाल पर देशद्रोह के आरोप में एनएसए लगाया गया है। चूंकि अध्यक्ष अमृतपाल अभी जेल में हैं, इसलिए पार्टी को चलाने के लिए कमेटी बनाई गई है। इस दौरान अमृतपाल के पिता तरसेम सिंह और फरीदकोट से निर्दलीय सांसद सर्बजीत सिंह भी मौजूद रहे। पार्टी

नेता जसकरन सिंह काहन सिंह वाला ने कहा कि चुनाव आयोग को पार्टी के लिए 3 नाम भेजे गए थे, जिसमें इस नाम पर मुहर लगी है। उन्होंने कहा कि ये दो विचारधाराओं की जंग है। एक विचारधारा दिल्ली की है, जो किसानों की जान ले रही है। दिल्ली की सोच सिख समुदाय को नुकसान पहुंचा रही है। दिल्ली की सोच बंदी सिखों को बंदी बनाए रखना चाहती है। दिल्ली की सोच पंथ और पंजाब को नुकसान पहुंचा रही है। दिल्ली की सोच पंजाब के पानी को लूटना चाहती है। वहीं अमृतपाल की पार्टी से सबसे ज्यादा नुकसान अकाली दल (बादल) को हो सकता है। जो अभी तक पंथक राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा था लेकिन अब नए अकाली दल से चुनौती मिलेगी।

आसाराम 11 साल बाद जमानत पर आएगा बाहर

जनमार्ग न्यूज

जोधपुर। जोधपुर में नाबालिग से रेप के मामले में जेल में बंद आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। आसाराम की ओर से सजा स्थगन व जमानत के लिए पेश याचिका पर आज सुनवाई हुई। आसाराम के वकील आर एस सलूजा ने बताया कि याचिका पर सुनवाई करते हुए मेडिकल ग्राउंड पर कोर्ट ने आसाराम को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। आसाराम को जोधपुर पुलिस ने इंदौर के आश्रम से साल 2013 में गिरफ्तार किया था। इसके बाद से आसाराम जेल में बंद था। पांच साल तक लंबी सुनवाई के बाद 25 अप्रैल 2018 को कोर्ट ने आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

आज 25वीं पुण्यतिथि पर

भावभीनी श्रद्धांजलि

आपका आलोकित जीवन हमें पथ-प्रदर्शित करता है और हमें जीवन में पग-पग पर संबल देता है।

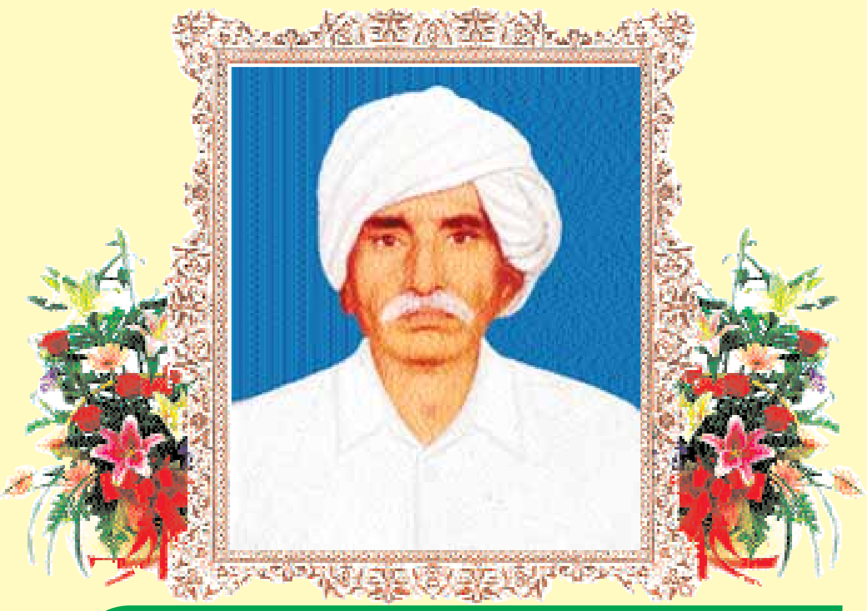

स्व. गुलजाराराम मेहरा

आपका स्नेहमयी एवं त्यागमय जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत बना रहेगा। हम सभी आपको भाव विह्वल हृदय से आपकी 25वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजिल अर्पित करते हैं।

: श्रद्धावनत :

स्व. निर्मल सिंह-जसविन्द्र कौर (पुत्रवधू), स्व. जसवंत-कुलविन्द्र, स्व. ओमप्रकाश-भजन कौर, स्व. बलदेव सिंह-गुरमीत कौर, बलविन्द्र सिंह-रणजीत कौर, हरीसिंह मेहरा-सर्वजीत कौर, बलवंत सिंह-सुमन (पुत्र-पुत्रवधू), परमजीत सिंह-रणवीर कौर, राहुल मेहरा-लवप्रीत कौर, मनजीत सिंह- सिमरन कौर (पौत्र-पौत्रवधू), मलकीत, बोहड़ सिंह, जीता सिंह, बलकार सिंह राजू, बूटा सिंह, सुलेन्द्र सिंह, सोनू, गोलू, मीनाक्षी, रेखा (पौत्र-पौत्री), रीत मेहरा (पड़पौत्री), अभिजोत सिंह, नवू मेहरा (पड़पौत्र)

दैनिक जनमार्ग एवं समस्त मेहरा परिवार

पतंगबाजी से जयपुर में अब तक 49 घायल, एसएमएस में भर्ती

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। जयपुर के पतंगबाजी के दौरान 2 दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। ये सभी लोग उपचार के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। इनमें से 10 मरीज ऐसे हैं, जिनके पतंग उड़ाने के दौरान गिरने या लूटने के दौरान टक्कर लगने से सिर में चोट आई है। वहीं 11 लोगों को मांझे से चेहरे, हाथ और गले पर कट लग गए हैं। डॉक्टर के मुताबिक करीब 10 गंभीर मरीजों की पोलीट्रॉमा वार्ड में भर्ती किया है। हॉस्पिटल में 13 से 15 जनवरी तक के लिए इमरजेंसी में विशेष व्यवस्था की गई है। इसमें ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोसर्जरी के अलावा एनिस्थिसिया, जनरल सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी और ईएनटी के डॉक्टर्स की भी ड्यूटी लगाई है। 13 जनवरी से आज शाम 5 तक कुल 49 मरीज ट्रॉमा सेंटर में अब तक आ चुके हैं, जो पतंगाबाजी के दौरान घायल हुए हैं। इसमें से 10 के सिर में चोट लगी है, जबकि 11 मरीज मांझे से कटने के बाद उपचार के लिए यहां पहुंचे। उन्होंने बताया कि गंभीर घायल करीब 10 मरीजों को पॉलीट्रॉमा वार्ड में भर्ती किया है, जबकि अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

साांध्य दैनिक जनमार्ग व प्रातःकालीन जनमार्ग में अपडेट व ताजा खबरों के लिए देखें:-

Web:- www.janmarg.com

Youtube:- Janmarg News

बीकानेर रेंज के 11 पुलिस निरीक्षक व 11 एसआई का तबादला

- चार पुलिस निरीक्षकों को श्रीगंगानगर लगाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। बीकानेर रेंज आईजी ओमप्रकाश ने मंगलवार को 11 पुलिस निरीक्षक व 11 पुलिस उप निरीक्षकों के तबादले किए है। आदेश में पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण सिंह राठौड़ को हनुमानगढ़, सतपाल बिश्नोई श्रीगंगानगर, अनिल कुमार बीकानेर, राजेश कुमार हनुमानगढ़, विकास बिश्नोई बीकानेर, महेश कुमार शीला बीकानेर, सुदर्शन कुमार हनुमानगढ़, विजय कुमार मीणा श्रीगंगानगर, सुभाष बिजारणियां बीकानेर, सुभाषचन्द्र श्रीगंगानगर एवं रामकुमार को श्रीगंगानगर लगाया है। आदेश में उप निरीक्षक नवनीत कुमार को श्रीगंगानगर, सुरेश कुमार बीकानेर, सुशीला कुमारी बीकानेर, राकेश सांखला हनुमानगढ़, हरबंशलाल हनुमानगढ़, राजीव रॉयल बीकानेर, जयवीर सिंह श्रीगंगानगर, नरेन्द्र कुमार हनुमानगढ़, संजुरानी हनुमानगढ़, जयकुमार भादू बीकानेर एवं हीरालाल को श्रीगंगानगर लगाया है।

सम्पादकीय

आस्था की डुबकी

बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ के प्रबंधन के लिए एआइ से लैस कैमरे, ड्रोन और मोबाइल ऐप से निगरानी का सहारा लिया जाएगा। इसके अलावा, प्रशासनिक चौकसी के बीच ड्रोन शो के साथ-साथ आभासी तकनीकी के जरिए गंगा आरती और दूसरे कार्यक्रमों को देखने की भी सुविधा है। प्रयागराज के त्रिवेणी संगम का समूचा इलाका अब कुंभ मेले से गुलजार हो चुका है और पहले दिन वहां से लगभग डेढ़ करोड़ लोगों के स्नान करने की खबर आई। मेला स्थल के आसपास एक बड़े हिस्से में जितनी तादाद में तंबू लगाए गए हैं, उसमें इतनी बड़ी संख्या में लोगों के टिकने की व्यवस्था है, जो किसी शायद किसी छोटे देश की आबादी से भी ज्यादा हो। जाहिर है, इसके साथ ही सबसे बड़ी चुनौती और जिम्मेवारी सरकार के सामने है कि वह इस मेले में व्यवस्थागत इंतजामों के मोर्चे पर कितनी चौकस है और वहां पहुंचने वाले लोगों को कितनी सुविधा होती है। यों, करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले कुंभ मेले को ज्यादा से ज्यादा सहज बनाने के लिए हर स्तर पर बेहतर व्यवस्था करने की जैसी खबरें आई हैं, उससे उम्मीद बंधती है कि इस बार साधु-संतों से लेकर श्रद्धालुओं तक को कोई दिक्कत नहीं होगी। फिर भी करोड़ों लोगों की मौजूदगी की वजह से जैसे हालात पैदा होंगे, उसमें सब कुछ को ठीक बनाए रखने के लिए हर स्तर पर बहुत ज्यादा चौकसी की जरूरत होगी। इसके मद्देनजर इस बार सरकार ने न केवल प्रशासनिक स्तर पर भीड़ प्रबंधन को लेकर बेहतर तौर-तरीके आजमाने का दावा किया है, बल्कि लोगों की सुरक्षा और सेहत की देखभाल के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल भी हर जगह किया गया है। मसलन, पिछले कुछ समय से सुर्खियों में आई कृत्रिम मेधा यानी एआइ मेले की व्यवस्था को कई स्तर पर सहज और सुरक्षित बनाने में मददगार साबित हो रही है। बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ के प्रबंधन के लिए एआइ से लैस कैमरे, ड्रोन और मोबाइल ऐप से निगरानी का सहारा लिया जाएगा।

ऐसा अद्भुत आयोजन संकल्प से ही संभव

क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने, भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। करोड़ों व्यक्ति और संत संन्यासी दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकारों के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह केंद्र और प्रदेश सरकार ने कुंभ को स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ।

प्रयागराज त्रिवेणी संगम से आ रहे दृश्य अद्भुत हैं। संपूर्ण पृथ्वी पर भारत ही एकमात्र देश है जहां ऐसे अद्भुत आयोजन संभव हैं। केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए यह न भूतो वाली स्थिति है। न भविष्यति इसलिए नहीं कह सकते कि एक बार जब देश और नेतृत्व अपनी प्रकृति को पहचान कर आयोजन करता है तो वह एक मानक बन जाता है और आगे ऐसे आयोजनों को और श्रेष्ठ करने की प्रवृत्ति स्थापित होती है। यह मानना होगा कि 144 वर्ष बाद पौष पूर्णिमा पर बुधआदित्य योग जिसे, महायोग युक्त कह रहे हैं, उस महाकुंभ का श्रीगणेश उसकी आध्यात्मिक दिव्यता के अनुरूप करने की संपूर्ण कोशिश केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया है। भारत में दुर्भाग्यवश, राजनीतिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे महान अवसरों पर भी नकारात्मक वातावरण बनाया जा रहा है। होना यह चाहिए था कि राजनीतिक मतभेद रहते हुए भी संपूर्ण भारत और विशेष कर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल ऐसे शुभ आयोजन पर साथ खड़े होते। हमारे देश का संस्कार इतना महान है कि नेताओं के वक्तव्यों की अनदेखी करते हुए करोड़ों लोग साधु-संतों के द्वारा दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए जाति, पंथ, क्षेत्र, भाषा, राजनीति सबका भेद भूलकर संगम में डुबकी लगाते, आवश्यक अपरिहार्य कर्मकांड करते आकर्षक दृश्य उत्पन्न कर रहे हैं, अन्यथा समाजवादी पार्टी और उनके नेता जिस तरह के वक्तव्य दे रहे हैं उनसे केवल वातावरण विषाक्त होता।

थोड़ी देर के लिए दलीय राजनीति की सीमाओं से बाहर निकलकर विचार करिए। क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने, भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। लाखों करोड़ों व्यक्ति और संपूर्ण भारत के सारे संत -संन्यासी, साधु, महंत आचार्य दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकारों के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह केंद्र और प्रदेश की योगी सरकार ने कुंभ को उसकी मौलिकता के अनुरूप वर्तमान देश, काल, स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संन्यासी हैं और उन्हें इसका ज्ञान है। उनके मंत्रिमंडल में भी ऐसे साथी हैं जो इन विषयों को काफी हद तक समझते हैं, जिनकी निष्ठा है। निष्ठा हो और संकल्प नहीं हो तो ज्ञान होते हुए भी साकार नहीं हो सकता। आप योगी आदित्यनाथ के समर्थक हों या विरोधी इन विषयों पर उनकी समझ, निष्ठा व संकल्पबद्धता को किसी दृष्टि से नकार नहीं सकते। जब इस तरह की टीम होती है तभी महाकुंभ, अयोध्या या काशी विश्वनाथ अपनी मौलिकता के साथ संपूर्ण रूप से प्रकट होता है। केंद्र का पूरा मार्गदर्शन और उसके अनुरूप सहायता हो तो समस्याएं नहीं आती। 2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद प्रयागराज में

ही 2019 में अर्धकुंभ आयोजित हुआ था और वहां से नया स्वरूप सामने आना आरंभ हुआ। पहली बार लोगों ने केंद्र व प्रदेश का संकल्प देखा तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पानी को अधिकतम संभव शुद्ध और स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर दिन रात एक किया। 2019 में पहली बार राज्य सरकार ने 2406.65 करोड़ व्यय किया जिसकी पहले कल्पना नहीं थी। इस बार सरकार की ओर से 5496.48 करोड़ रुपये व्यय अभी तक हुआ और केंद्र ने भी इसमें 2100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त सहयोग दिया है। कुंभ के आयोजन के साथ गंगा और यमुना दोनों में शून्य डिस्चार्ज सुनिश्चित करने की कोशिश हुई है। सभी 81 नालों का स्थायी निस्तारण सुनिश्चित करने की तैयारी की गई। यह तो नहीं कह सकते कि गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम का जल शत-प्रतिशत शुद्ध और स्वच्छ हो गया, किंतु अधिकतम कोशिश कर हरसंभव परिणाम तक ले जाने के परिश्रम से हम इन्कार नहीं कर सकते। कुंभ को हरित कुंभ बनाने की दृष्टि से पहली बार मोटा-मोटी 3 लाख के आसपास पौधों के रोपण का आंकड़ा है। पहले भी वृक्षारोपण होते थे, किंतु संख्या अत्यंत कम होती थी। ऐसे आयोजनों में स्वच्छता के अभाव में लोगों में अनेक स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा होती हैं। केवल रिकॉर्ड संख्या में डेढ़ लाख शौचालय बनाए गए, बल्कि 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग 1230 किलोमीटर पाइपलाइन, 200 वाटर एटीएम तथा 85 नलकूप अधिष्ठान की व्यवस्था है। हालांकि हिंदुओं और सनातनियों के अंदर तीर्थयात्राओं में कष्ट सहने की मानसिकता और संस्कार है। हमारा चरित्र ऐसा है जहां जो कुछ व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं उसी में अपना कर्मकांडीय दायित्व पूरी करते हैं, किंतु सरकार व्यवस्था करे तो सब कुछ आसान होता है। सबसे बड़ी बात कि अखाड़ों, आश्रमों आदि की परंपराओं के अनुरूप व्यवस्था करना ताकि कर्मकांड संपूर्ण नियमों के साथ ही सुनिश्चित हो, मुख्य शाही स्नान ठीक मूहूर्त पर शास्त्रीय विधियों से संपन्न हों इसकी व्यवस्था तो पूर्व सरकारों में संभव ही नहीं थी। आप राजनीतिक रूप से आलोचना करिए किंतु सत्य है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही ने कभी ऐसे अवसरों को इस तरह जन-जन तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाने और लोगों के अंदर आने की भावना पैदा करने की दृष्टि से विचार ही नहीं किया। टीवी चैनलों पर विहंगम दृश्य देखकर आम लोगों की प्रतिक्रियाएं हैं कि एक बार अवश्य जाकर वहां डुबकी लगानी चाहिए। अयोध्या में पिछले वर्ष श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में हमने प्रदेश सरकार की पहली बार ऐसी व्यवस्था देखी और अब महाकुंभ में उसका विस्तार है।

धीरे-धीरे अब परंपरागत आर्थिक विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि भारत अगर विश्व की आर्थिक और आदर्श महाशक्ति बनेगा तो अध्यात्म-संस्कृत की क्षमता का उसमें सर्वाधिक योगदान होगा। मोटा-मोटी निष्कर्ष यह है कि लगभग 40 करोड़ लोग 45 दिनों में आते हैं तो दो से चार लाख तक का कारोबार हो सकता है। आयोजन के निर्माण में तैयार आधारभूत व्यवस्थाएं भविष्य में भी ऐसे स्थानों पर तीर्थ यात्रियों और आधुनिक संदर्भ में पर्यटकों को सतत आकर्षित करने का ठोस आधार बना रहेगा। कितने लोगों को रोजगार, आर्थिक समृद्धि, परिवारों में खुशहाली प्राप्त होगी इसकी कल्पना करिए। दुर्भाग्य से गुलामी के काल में अपनी ही महान आध्यात्मिक शक्ति, संस्कृति, कर्मकांड आदि को पिछड़ापन कहकर हमें उससे दूर किया गया। सच यह है कि ऐसे आयोजन जन कल्याण और संपूर्ण ब्रह्मांड के अंदर स्वाभाविक शांति की अमूर्त अंतःशक्ति पैदा करते हैं। साधु-संतों, अखाड़ों का स्नान, यज्ञ, अनुष्ठान विश्व कल्याण पर केंद्रित होता है। एक साथ हजारों की संख्या में यज्ञ अनुष्ठान से बना माहौल, मंत्रों की ध्वनि संगीत, जयकारे सब सूक्ष्म रूप से पूरे वातावरण में कैसी दिव्यता उत्पन्न करेंगे इसकी कल्पना करिए।

प्रकाश, पुण्य और नवजीवन का उत्सव

सूर्य उपासना का पर्व मकर संक्रांति प्रतिवर्ष 14 अथवा 15 जनवरी को पूरे उल्लास के साथ भारत सहित कई अन्य देशों में मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 14 जनवरी को मनाया जा रहा है। मकर संक्रांति के दिन से ही वसंत ऋतु की शुरुआत होती है। यह पर्व सम्पूर्ण भारत में फसलों के आगमन की खुशी के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन सूर्य अपने पुत्र शनिदेव से नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे। कहा जाता है कि महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए मकर संक्रांति के ही दिन तर्पण किया था। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की कक्षा में होने वाले परिवर्तन यानी सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण में आने को अंधकार से प्रकाश की ओर परिवर्तन माना जाता है। सूर्य प्रायः 14 या 15 जनवरी को ही मकर राशि में प्रवेश करता है, इसीलिए उसी दिन मनाए जाने वाले पर्व को 'मकर संक्रांति' कहा जाता है। यह हिंदू पर्व भारत के अलग-अलग राज्यों में भी अलग-अलग तरीकों और नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसे खिचड़ी पर्व, पतंगोत्सव इत्यादि नामों से जाना जाता है जबकि मध्य भारत में इसे 'संक्रांति' कहा जाता है। दक्षिण भारत में यह त्योहार 'पोंगल' उत्सव के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति को उत्तरायण, माघी, खिचड़ी, पौष संक्रांति, भोगाली बिहू, शिशुर सेंक्रांत आदि नामों से भी जाना जाता है। नेपाल में इसे माघे संक्रांति या माघी संक्रांति व खिचड़ी संक्रांति, श्रीलंका में पोंगल या उझवर तिरूनल, बांग्लादेश में पौष संक्रांति, थाईलैंड में सोंगकरन, म्यांमार में थिंयान, कम्बोडिया में मोहा संगक्रान तथा लाओस में पिमा लाओ नाम से मनाया जाता है। कहा जाता है कि मकर संक्रांति से ही दिन तिल-तिल करके बढ़ता है अर्थात इस दिन से दिन की अवधि रात के समय से अधिक होने लगती है यानी दिन लंबे होने लगते हैं, जिससे खेतों में बोए हुए बीजों को अधिक रोशनी, अधिक ऊष्मा और अधिक ऊर्जा मिलती है, जिसका परिणाम अच्छी फसल के रूप में सामने आता है, इसलिए इस अवसर का खासतौर से किसानों के लिए तो बड़ा महत्व है। मकर संक्रांति में 'मकर' शब्द जहां मकर राशि को इंगित करता है, वहीं 'संक्रांति' शब्द का अर्थ है संक्रमण अर्थात प्रवेश करना। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करने की इस विस्थापन क्रिया को ही संक्रांति कहा जाता है। हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन श्राद्धकर्म तथा तीर्थ स्नान करना फलदायी माना गया है। इस दिन लाखों श्रद्धालु विभिन्न तीर्थ स्थलों पर पवित्र स्नान करते हैं और तिल से बने पदार्थों का दान करते हैं। गंगासागर पर तो इस अवसर पर तीर्थस्नान के लिए लाखों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ता है, जो इस पर्व की महत्ता को परिलक्षित करता है। मान्यता है कि इस दिन देशभर के किसी भी पवित्र तीर्थ, संगम स्थल या गंगा अथवा यमुना के तट पर स्नान करने से आध्यात्मिक, शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक ऊर्जा मिलती है।आज के समय में मकर संक्रांति का उत्सव न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से मनाया जा रहा है, बल्कि इसे एक सामाजिक उत्सव के रूप में भी देखा जा रहा है। विभिन्न प्रकार के सामूहिक आयोजन, फसल उत्सव, सामूहिक भोज और पारंपरिक खेलों का आयोजन इसके आकर्षण को और बढ़ाता है। मकर संक्रांति न केवल एक पर्व है बल्कि यह भारतीय संस्कृति, परंपरा, धर्म और विज्ञान का अनूठा संगम है। इस पर्व में निहित वैज्ञानिक, खगोलीय और धार्मिक महत्त्व इसे अलग पहचान दिलाता है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने और जीवन में सकारात्मकता लाने की प्रेरणा देता है।

ईश्वर को जानने से पहले उसे प्रेम करें

हम सभी की यह स्वाभाविक इच्छा होती है कि हम ईश्वर को जानें। इसके लिए हम तमाम प्रयत्न भी करते हैं। ध्यान-तपस्या से लेकर योग साधना तक, जो भी हमारे सामर्थ्य में होता है। लेकिन इन सबमें हम एक अहम बात भूल जाते हैं कि हमें ईश्वर को जानने से पहले उसे प्रेम करना आना चाहिए। ईश्वर की उपस्थिति का अभ्यास करें। एक छोटी-सी प्रार्थना करके अथवा थोड़ा-सा प्रकाश देखकर संतुष्ट होकर सोने के लिए न चले जाएं। निद्रा नशे में जाने की दवाई है। यदि आप भली प्रकार से इच्छाओं को नियंत्रित कर सकें; और यदि आप पूर्णरूप से सभी इंद्रियों को नियंत्रित कर सकें; और यदि आप अपनी आत्मा की पूर्ण शक्ति से ईश्वर को खोजें, तब वह आपके समक्ष प्रकट हो जाएंगे। यद्यपि आप उच्च सदाचारी हों और एक आध्यात्मिक व्यक्ति हों, तो भी ईश्वर के बोध के बिना आपके पास कुछ नहीं है। इसलिए स्वयं को धोखा न दें। अधिक ध्यान करें- अनवरत रूप से और ईमानदारी से। ईश्वर से कहें, 'मैं अपनी कमजोरियों को जानता हूं। लेकिन प्रभु वे सब आपकी हैं, क्योंकि आपने ही मुझे बनाया है। आपके सान्निध्य में रहने के अतिरिक्त मेरी और कोई इच्छा नहीं है, क्योंकि आप ही इस संसार रूपी चलचित्र को दिखा रहे हैं। आप इसके सुखांत और दुखांत दोनों पहलुओं से मुक्त हैं। इसलिए मैं भी मुक्त हूं, क्योंकि मैं आपका बच्चा हूं।' स्वयं को पापी न कहें; और न स्वयं को धर्मात्मा कहकर गर्व करें। अपितु, कहें कि ईश्वर आपके साथ हैं, और केवल वे ही, न कि कोई और! आपके द्वारा कार्य कर रहे हैं।

अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ो। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

संक्रांति में तिल, गुड़ और मूंगफली खाना फायदेमंद

मकर संक्रांति के दिन भगवान सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिन को भारत में त्योहार के रूप में मनाया जाता है। हर राज्य में इसके अलग नाम हैंङ्क पोंगल, खिचड़ी, मकर संक्रांति, लोहड़ी और उत्तरायण। इसके नाम जरूर अलग हैं पर देश के सभी हिस्सों में इस दिन तिल और गुड़ खाए जाने की परंपरा एक ही है। इस दिन मूंगफली भी खाई जाती है। तिल, गुड़ और मूंगफली, तीनों चीजें सुपरफूड हैं। इनसे बनी चीजें खाने में जितनी स्वादिष्ट होती हैं, सेहत के लिए भी उतनी फायदेमंद होती हैं। तिल और मूंगफली में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 6 जैसे न्यूट्रिएंट्स होते हैं। गुड़ में आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स होते हैं। मकर संक्रांति के दिन लोग तिल और गुड़ के लड्डू खाते हैं। इसके बाद शाम को घर के सभी लोग अलाव जलाकर गीत गाते हैं और मूंगफली खाते हैं। ये सभी चीजें सर्दियों में बेहद फायदेमंद होती हैं। इन तीनों सुपरफूड्स की तासीर गर्म होती है। इसलिए इन्हें सर्दियों का सुपरफूड भी कहते हैं। इनकी न्यूट्रिशनल वैल्यू इन्हें और खास बनाती है। आइए सभी चीजों की न्यूट्रिशनल वैल्यू और फायदे जानते हैं। गुड़ में सुक्रोज और फरुक्टोज के रूप में शुगर होता है। इसलिए इसका स्वाद मीठा होता है और इसे खाने से तुरंत एनर्जी मिलती है। गुड़ में शरीर के लिए जरूरी विटामिन ए, सी और ई होते हैं। इसमें आयरन समेत कई जरूरी मिनरल्स भी होते हैं। डाइजेस्टिव हेल्थ सुधरती है। लिवर और ब्लड डिटॉक्स होता है। रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन दूर होता है। कॉन्स्टिपेशन की शिकायत दूर होती है। मेंटल और फिजिकल स्ट्रेस कम होता है। प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम में राहत मिलती है। एनीमिया का जोखिम कम होता है। हार्ट हेल्थ इंप्रूव होती है। एनर्जी लेवल बढ़ता है। तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और पोटेशियम जैसे मिनरल्स होते हैं। इसमें विटामिन बी6 भी होता है। शरीर की रोजाना जरूरत के कितने मिनरल्स तिल खाने से मिलते हैं। हड्डियां मजबूत होती हैं। इंफ्लेमेशन कम होता है। आर्थराइटिस के दर्द से राहत मिलती है। डाइजेस्टिव हेल्थ अच्छी रहती है। मीनोपॉज के समय हॉर्मोन बैलेंस बना रहता है। थायरॉइड हेल्थ के लिए फायदेमंद है। एनीमिया का जोखिम कम होता है। ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का लेवल कम होता है। मूंगफली में प्रोटीन, फैट समेत कई हेल्दी न्यूट्रिएंट्स होते हैं। कई जरूरी विटामिन और मिनरल्स भी होते हैं। वेट लॉस में मदद मिलती है। इंफ्लेमेशन कम होता है। डायबिटीज का रिस्क कम होता है। कैंसर का जोखिम कम होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। हार्ट हेल्थ इंप्रूव होती है। गॉलस्टोन का रिस्क कम होता है। इससे लाइफ स्पैन बढ़ता है। ब्रेन फंक्शनिंग बेहतर होती है।

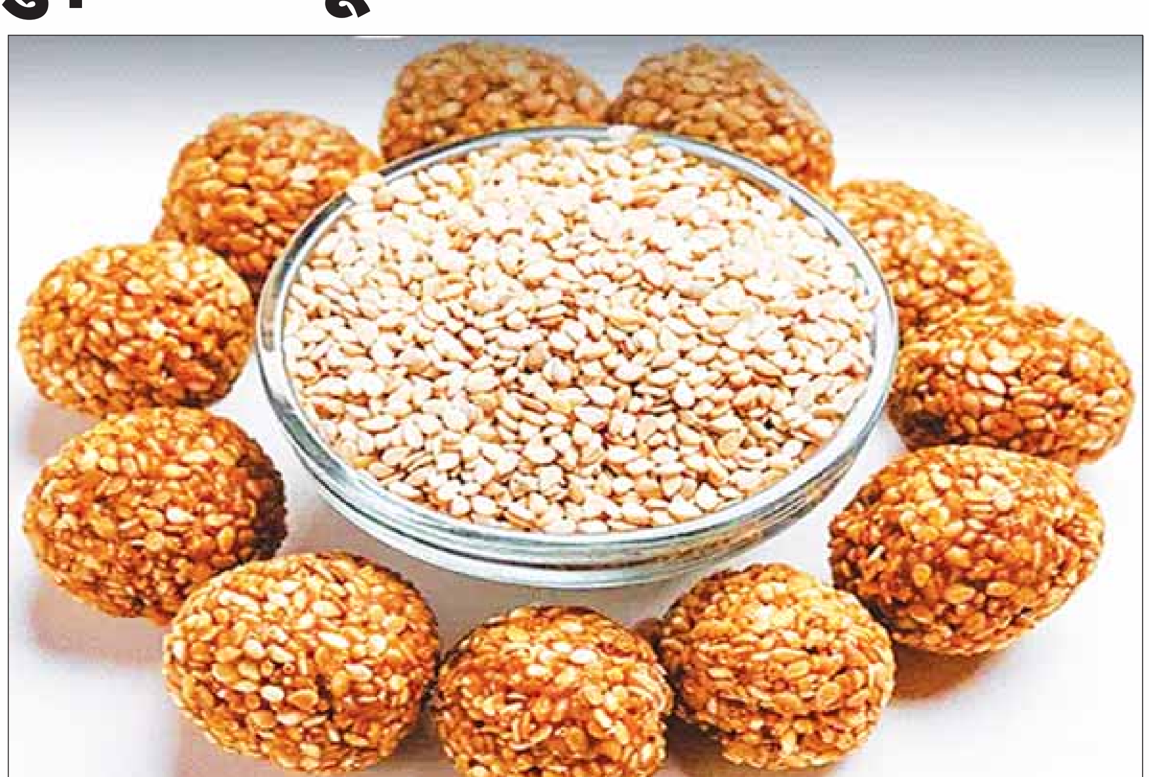

आंखों की सेहत सुधरती है। लोगों को इस बात का भ्रम है कि फैट से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि असल में ट्रांस फैट, सैचुरेटेड फैट से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। तिल और मूंगफली में मौजूद हेल्दी फैट हमें सेहतमंद बनाता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, तिल और मूंगफली में मौजूद हेल्दी फैट कोलेस्ट्रॉल और ट्रायग्लिसराइड्स को कम करने में मददगार है। इससे हार्ट हेल्थ इंप्रूव होती है। इसके उलट तिल और मूंगफली खाने से हेयरफॉल रुक सकता है। इनके सेवन से बालों के विकास में भी मदद मिलती है। तिल में मौजूद ओमेगा-3, ओमेगा-6 और ओमेगा-9 फैटी एसिड से स्काल्प के ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है। इससे बालों की जड़ों को जरूरी पोषक तत्व और ऑक्सीजन मिलता है। तिल और मूंगफली में भरपूर मात्रा में कॉपर, फास्फोरस, जिंक, आयरन, विटामिन क्ञ और मैग्नीशियम होता है। इससे स्काल्प हेल्दी रहता है और हेयरफॉल कम होता है। तिल की एलर्जी के कारण उल्टी हो सकती है और ब्रीदिंग प्रॉब्लम हो सकती है। इससे कब्ज हो सकता है और अपेंडिक्स में दर्द हो सकता है। तिल में साइकोएक्टिव कंपाउंड टीएचसी होता है। यह ड्रग्स टेस्ट होने पर सामने आ सकता है। इसलिए ज्यादातर प्रोफेशनल स्पोर्ट्स पर्सन तिल खाने से बचते हैं। मूंगफली खाने से कुछ लोगों को एनाफिलेक्सिस नाम का गंभीर एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है। कई बार यह लाइफ थ्रेटनिंग भी होता है। इसके कारण स्किन में रैशेज हो सकते हैं और सूजन हो सकती है। ब्लड प्रेशर अचानक कम हो सकता है। इससे स्टमक इन्फेक्शन हो सकता है। सांस लेने में समस्या हो सकती है। डायबिटिक लोग तिल और मूंगफली बहुत आराम से खा सकते हैं। इसका हेल्दी फैट इंसुलिन स्पाइक और शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में भी मददगार है। हालांकि उन्हें गुड़ और गुड़ से बनी चीजें बिल्कुल नहीं खानी चाहिए। डायबिटीज में लो ग्लाइसेमिक फूड खाने की सलाह दी जाती है, जबकि गुड़ हाई ग्लाइसेमिक फूड है। इससे शुगर स्पाइक हो सकता है।

जनमार्ग
सिटी न्यूज
JANMARG news
जनमार्ग
श्रीगंगानगर, बुधवार, 15 जनवरी 2025
3
» रायसिंहनगर » गजसिंहपुर » सादुलशहर » अनूपगढ़ » रामसिंहपुर » जैतसर » पक्कासहारणा » केसरीसिंहपुर » पदमपुर » लालगढ़ » मांझूवास » फकीरवाली » श्रीबिजयनगर

मिनरल एक्सप्लोरेशन और वोल्यूमेट्रिक असेसमेंट क्षेत्र के विशेषज्ञ 16 को जयपुर में जुटेंगे : रविकांत

❑ राजस्थान के माइनिंग सेक्टर का नवाचार ❑ नयी तकनीक और प्रावधानों से होंगे रुबरु

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। देश व प्रदेश के मिनरल एक्सप्लोरेशन विशेषज्ञों और वाल्यूमेट्रिक आकलन में ड्रोन सर्वे तकनीक विशेषज्ञों 16 जनवरी को जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जुटेंगे। प्रमुख शासन सचिव माइंस, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया कि प्रदेश में इस तरह का यह पहला व सकारात्मक प्रयास होगा जिसका सीधा लाभ प्रदेश के माइनिंग सेक्टर के साथ ही इस सेक्टर से जुड़े स्टेक होल्डर्स को भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में केन्द्र व राज्य के सरकारी, सरकारी उपक्रमों के साथ ही निजी क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

टी. रविकान्त ने बताया कि कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रजेंटेशन के माध्यम से राजस्थान के माइनिंग परिदृश्य और वोल्यूमेट्रिक असेसमेंट से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतिकरण दिए जाने के साथ ही खुली चर्चा होगी। पहले एक्सप्लोरेशन पर विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतिकरण दिये जाएंगे वहीं लंच बाद के सेशन में ड्रोन सर्वे से संबंधित प्रस्तुतिकरण व अनुभवों को साझा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वोल्यूमेट्रिक ड्रोन सेशन के नोडल अधिकारी अतिरिक्त निदेषक माइंस बीएस सोढ़ा को बनाया गया है और एक्सप्लोरेशन सेशन के लिए अतिरिक्त निदेषक भूविज्ञान आलोक प्रकाश जैन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 16 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि केन्द्र सरकार के माइंस मंत्रालय के निदेशक द्वारा जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के संजय सिंह द्वारा क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक मिनरल सिनेरियों ऑफ राजस्थान, जीएसआई के ही उत्तम कुमार प्रधान द्वारा पश्चिमी राजस्थान में पोटाश के भण्डार, हैदराबाद और बैंगलोर के विशेषज्ञों द्वारा मिनरल एक्सप्लोरेषन रणनीति पर मंथन होगा। एनएमईटी के जयंत गुप्ता द्वारा एक्सप्लोरेशन गतिविधियों पर एनएमईटी कोष का उपयोग, आरसीएम आईबीएम के चन्द्रेश कुमार बोहरा, क्यूसीआई एनएबीईटी के डॉ. एके झा द्वारा एक्सप्लोरेशन लाइसेंस संबंधित प्राबधान साझा किये जाएंगे। एमईसीएल, इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस, एटोमिक मिनरल डिपार्टमेंट के साथ ही केन्द्र सरकार की एंपेनल्ड निजी क्षेत्र की एक्सप्लोरेशन संस्थाएं और विभाग के अधिकारियों की भागीदारी तय की जा रही है।

रविकान्त ने बताया कि वोल्यूमेट्रिक आकलन और खनिज प्रबंधन में ड्रोन तकनीकों के उपयोग पर लीज धारकों से सीधे संवाद में राजस्थान अप्रधान खनिज रियायती नियमों में ड्रोन सर्वे प्रावधान, आइडिया फोर्ज द्वारा खनन में ड्रोन सर्वे का अनुप्रयोग, इंस्टाडिजाइन द्वारा ड्रोन से प्राप्त डेटा का खदान प्रबंधन में विशेषज्ञों द्वारा विश्लेषण, गरुड सर्वे द्वारा ड्रोन सर्वे के माध्यम से खनन में उत्खनन का वोल्यूमेट्रिक आकलन और एपीएसएल साल्यूशन द्वारा उत्खनन में ड्रोन सर्वे तकनीक और स्फेयर द्वारा डीजीसीए द्वारा ड्रोन सर्वे लाइसेंस के दिशा-निर्देश और प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि विशेषज्ञों और स्टेक होल्डर्स को साझा मंच उपलब्ध कराने से प्रदेश के माइनिंग सेक्टर को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि आज प्रदेश का माइनिंग सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है और प्रयास किये जा रहे हैं कि देश दुनिया की नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए लॉस माइनिंग सेक्टर को बढ़ावा दिया जा सके।

गुरूनानक बस्ती में मूंगफली, गजक व रेवड़ी बांटी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। हिन्दी प्रचार समिति के तत्वावधान में तपोवन क्लासेज, प्रगतिशील महिला विकास समिति एवं आंगनवाड़ी केन्द्र संख्या 45-ए गुरूनानक बस्ती में बच्चों-महिलाओं को लोहड़ी पर्व पर मूंगफली, गजक व रेवड़ी वितरित कर लोहड़ी व मकर सक्रांति की बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई। जगीरचन्द फरमा ने कहा कि लोहड़ी व तिल, मूंगफली,रेवड़ी आदि का वितरण करना पुण्य का कार्य है। मकर सक्रांति पर प्रत्येक व्यक्ति को जरूरतमंद की सहायता करनी चाहिए व दान अवश्य ही करना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. ओ.पी. गोयल, मनीराम सेतिया, जगीरचन्द फरमा, बलजीत सिंह राणा, पी.सी. गर्ग, मदनलाल जोशी, मदन अरोड़ा, सुरेन्द्र शर्मा अवतार सिंह मल्होत्रा, इंदूभूषण चावला, एम.एल. जैन का सराहनीय सहयोग रहा जिसके लिए समिति अध्यक्ष ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। तपोवन क्लासेज के प्रभारी गुप्ता जी, प्रगतिशील महिला विकाससमिति की अध्यक्ष सतोष विजयवर्गीय व गुरूनानक बस्ती आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता रजनी पुन्यानी ने समिति पदाधिकारियों व उपस्थित महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी कल्याण समिति ने लोहड़ी मनाई

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी कल्याण समिति द्वारा मासिक बैठक एवं नववर्ष व लोहड़ी पर्व के उपलक्ष्य में स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लासपूर्वक आयोजित किया गया। सचिव हरपाल सिंह ने बताया कि सुखाडि?ा पार्क में हुए कार्यक्रम में ईश्वरीय वंदना से बैठक का प्रारम्भ किया गया तथा सबको लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं दी गई। बैठक में समिति सदस्यों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा की गई तथा सर्दी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां रखने के लिए जागरूक किया गया। बैठक में 75 वर्ष सकुशल पूर्ण करने पर बनवारी लाल शर्मा को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इसके साथ-साथ जनवरी माह में जन्मदिन वाले सदस्यों को भी सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जिला विधिक चेतना समिति के नव मनोनीत सदस्य अर्जुन वधवा को शॉल ओढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। समिति के नये सदस्य ओमप्रकाश सचदेवा एवं सुभाष भाटिया का माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद जयंती, राष्ट्रीय युवा दिवस, कैरियर डे, लोहड़ी पर्व तथा मकर संक्रांति पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला तथा कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है।

कार्यक्रम में लोहड़ी की पावन अग्नि प्रज्वलित की गई। इस कार्यक्रम में श्रीमती रजनी सक्सेना ने सुरीली व मधुर आवाज में गीतों के गायन से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। सदस्यों ने लोहड़ी के लोकगीतों तथा हिंदी-पंजाबी गीतों पर नाच-गाकर भरपूर आनंद प्राप्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अर्जुन वधवा, सुरेंद्र शर्मा तथा नरेंद्र कुमार शर्मा की अग्रणी भूमिका रही।

लोहड़ी पर्व के उपलक्ष्य में कोषाध्यक्ष केके गांधी द्वारा सबके लिए सर्दियों का मेवा तिल, मूंगफली, रेवड़ी के साथ-साथ चाय-नाश्ते की समुचित व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस अवसर पर सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी कल्याण समिति, श्रीगंगानगर के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

रामलला की पहली वर्षगांठ, लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व पर लगाया लंगर

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सामाजिक संस्था एक प्रयास..., श्रीगंगानगर द्वारा श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम स्थित राम मंदिर में रामलला की पहली वर्षगांठ तथा राष्ट्रीय युवा दिवस, लोहरी व मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष्य में विशाल लंगर लगाया गया। सुखाड़िया सर्किल के समीप स्थित पारस डायग्नोस्टिक सेंटर के सामने लगाए गए लंगर में सर्वप्रथम दुपहिया व चौपहिया वाहन चालकों तथा राहगीरों को गर्मागर्मा पकोड़े तथा चाय का प्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात् दाल, रोटी, सब्जी व हलवे का लंगर खिलाया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया तथा गर्म पकोड़े व लंगर प्रसाद खाकर तथा चाय पीकर सर्दी से राहत महसूस की। इस अवसर पर राकेश गोयल, चन्द्रेश गोयल, डॉ. शैलेश गोयल, नीरज लीला, डॉ. देशबंधु गुप्ता, रजत सरावगी, रवि परुथी, अंकित सिंगल, ऋषभ गर्ग, गौरव मित्तल, नीरज बंसल, दीपक शेरेवाला, राजेश अग्रवाल, डॉ. सौरभ, डॉ. संजीव जिंदल, सुधीर गर्ग, गौरव गुप्ता, अजय झुंथरा, राहुल जैन, विशाल गुप्ता, लोकेश खेमका, अजय गोल्डी, ललित गुप्ता, राहुल बंसल, दीपक बंसल, सुनील शर्मा, प्रवीण शर्मा, पंकज गर्ग, रजत गोयल, विकास गुप्ता, अरविंद सचदेवा सहित एक प्रयास... सदस्यों के साथ-साथ शहर की अनेक सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने उपस्थित होकर उत्साहपूर्वक लंगर प्रसाद वितरण सेवाओं में योगदान दिया।

राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) का दो दिवसीय प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन 17 से

श्रीगंगानगर। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) का 61वां प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन नई धानमंडी श्रीगंगानगर में 17-18 जनवरी को होगा। सम्मेलन का शुभारंभ 17 जनवरी सुबह 11 बजे ध्वजारोहण से होगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता संगठन के प्रदेशाध्यक्ष साथी महावीर सिहाग करेंगे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि लोकसभा क्षेत्र सीकर के सांसद व अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमराराम होंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी, पूर्व विधायक राजकुमार गौड़, स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव चंद्र नवदीप भारती, माकपा के जिला सचिव वकील सिंह, और श्रीगुरुनानक खालसा विधि महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य चंद्रभानु त्यागी शामिल होंगे। ये जानकारी सोमवार को आयोजित प्रेसवार्ता में सम्मेलन संयोजक भूप सिंह कूकणा व जिलाध्यक्ष राजेंद्र टाक ने दी। इस दौरान प्रदेश संगठन पदाधिकारी महावीर सिहाग, जिलाध्यक्ष राधेश्याम यादव, मीडिया प्रवक्ता राजू आनन्द, पवन छिंपा, जिला कोषाध्यक्ष सुनील यादव व गुरमीत सिंह गिल अध्यक्ष स्वागत समिति भी उपस्थित थे।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन में जय किसान आंदोलन के संस्थापक प्रो. योगेंद्र यादव भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में 17 व 18 जनवरी को प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों शिक्षक शामिल होंगे। जिनके लिए प्रत्येक व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

17 शाम को होगा कवि सम्मेलन: प्रदेश कोषाध्यक्ष राधेश्याम यादव ने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की समाप्ति के बाद शाम साढ़े छः बजे कवि सम्मेलन होगा। इसमें कवि संदेश त्यागी, अरुण शहेरिया, रूपसिंह राजपुरी. सुरेंद्र सुंदरम, कृष्ण कुमार आशू और रितु सिंह कविता पाठ करेंगे।

खाटू वाले श्याम, तेरा सच्चा दरबार है...

तीन दिवसीय मेला भव्य जागरण के साथ संपन्न

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सिद्ध धाम श्रीखाटू श्याम धाम मंदिर, सुदामानगर में हुए रात्रि जागरण में हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के समक्ष धोक लगाई। मंदिर के मुख्य सेवादार संदीप शेरेवाला ने बताया कि इस कड़कड़ाती की ठंड में भी श्रद्धालुओं का मेला सायं 7 बजे से लगा ,जो रात्रि 10:30 बजे तक अनवरत लगा रहा । शेरेवाला ने बताया कि इस तीन दिवसीय मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के समक्ष नतमस्तक होकर धोक लगायी और अपनी मन्नत मांगी। मंदिर प्रांगण बाबा श्याम की जयकारों से गूंज उठा। शहर के सभी प्रमुख भजन प्रवाहक विशाल सोडा ,दीपांशु शर्मा, पवन वर्मा ,लविश चुग, विक्की शर्मा, पवन चलाना, के के शर्मा व अन्य भजन गायको ने ऐसी तान छेड़ी ,की हर श्रद्धालु मदमस्त हो नृत्य करने लगा। मंदिर प्रांगण मानो वृंदावन सा बन गया था।बाबा श्याम का अद्धभुत एवं विहंगम श्रृंगार सबको अपनी और खींच रहा था। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के भोग बाबा को लगाकर आए हुए श्रद्धालुंओ में वितरित किए गए।

लंगर लगाकर लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व मनाया

रामलला की पहली वर्षगांठ पर जय श्रीराम के जयकारों से सारा वातावरण गुंजायमान कर दिया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। चाय व्यापार संघ, श्रीगंगानगर द्वारा श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम स्थित राम मंदिर में रामलला की पहली वर्षगांठ तथा राष्ट्रीय युवा दिवस, लोहरी व मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष्य में विशाल लंगर लगाया गया। अध्यक्ष राधेश्याम बंसल के नेतृत्व में सोमवार सुबह नई धान मंडी स्थित कृषि उपज मंडी समिति कार्यालय के सामने लगाए गए विशाल लंगर में चाय व्यापार संघ पदाधिकारियों व सदस्यों ने गर्मागर्म चाय तथा बिस्कुट व मठरी का लंगर प्रसाद वितरित किया गया। सुबह-सुबह सब्जी मंडी में आए व्यापारियों, श्रमिकों, सब्जी विक्रेताओं, रेहड़ी वालों तथा आमजन ने गर्मागर्म चाय पीकर तथा बिस्कुट व मठरी खाकर सर्दी से राहत महसूस की। इस मौके पर अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि चाय व्यापार संघ द्वारा व्यापारिक हितों की रक्षा करने के साथ-साथ सामाजिक एवं धार्मिक प्रकल्पों में भी अग्रणी भूमिका निभाई जा रही है। राजकीय चिकित्सालय स्थित अन्नपूर्णा रसोई घर में प्रतिमाह चायपत्ती भेंट करने के साथ-साथ संस्था पदाधिकारियों व सदस्यों के जन्मदिन तथा वर्षगांठ आदि शुभ अवसरों पर राजकीय चिकित्सालय स्थित अन्नपूर्णा रसोई घर में मरीजों व उनके परिजनों को भोजन खिलाया जाता है। इसके अलावा समय-समय पर रक्तदान शिविर लगाए जाते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधारोपण भी किया जा रहा है। अनेक धार्मिक आयोजनों द्वारा समाज में सकारात्मक योगदान दिया जा रहा है, जिसकी सभी ने मुक्तकंठ से सराहना करते हुए चाय व्यापार संघ को साधुवाद दिया। इस मौके पर सभी ने रामलला की पहली वर्षगांठ पर जय श्रीराम के जयकारों से सारा वातावरण गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष राधेश्याम बंसल, महामंत्री संजय शेरेवाला, सचिव सुरेश सिंगल, उपाध्यक्ष रामधन गर्ग, पीआरओ पारुल शेरेवाला, रतनलाल सिंगल, लोकेश शेरेवाला, विनोद गर्ग, प्रवीण शेरेवाला, जितेंद्र शर्मा, मोहनलाल गर्ग, संदीप शेरेवाला, राजेश मिड्ढा, लोकेश शेरेवाला, रतन सिंगल, जसवंत गोयल, विनोद गर्ग सहित चाय व्यापार संघ पदाधिकारी, सदस्य, ट्रांसपोर्टर, ब्रोकर तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भारत विकास परिषद का रक्तदान शिविर कल

जनमार्ग न्यूज

गजसिंहपुर । भारत विकास परिषद शाखा गजसिंहपुर के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है भारत विकास परिषद के सेवादार महेश मंगल ने बताया कि स्वर्गीय गोपी राम मंगल की स्मृति में 21 वां रक्तदान शिविर का आयोजन श्री सत्यनारायण मंदिर में कल 14 जनवरी को मकर सक्रांति के उपलक्ष पर किया जा रहा है। रक्तदान शिविर का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा इस शिविर में विशेष रूप से तपोवन ब्लड बैंक श्रीगंगानगर द्वारा सेवाएं दी जाएगी जिसमें महिला व पुरुष बढ़-चढ़कर पर रक्तदान कर सकते हैं ।

एसएस आदर्श स्कूल में श्री सुखमनी साहिब पाठ का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

पदमपुर। एसएस आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, पदमपुर में श्री सुखमनी साहिब पाठ का आयोजन किया गया। विद्यालय में सुख सृमद्धि व सदबुद्धि हेतु प्रतिवर्ष श्री सुखमनी साहिब पाठ का आयोजन किया जाता है। छात्र/छात्राओं व अभिभावकों ने श्री गुरु के चरणों में शीश झुकाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री सुखमनी सेवा समिति रामदास बिलंदी, सदीप भयाना, चिंरजीलाल कालड़ा, कमल चावला, भाई लवली जी, केवल कृष्ण दुआ, भाई अमरीक सिंह आदि ने गुरु वाणी से कार्यक्रम की शुरुआत की। छात्र/छात्राओं ने भी गुरु की वाणी का गान किया। भाई अमरीक सिंह ने दमदमा साहिब, मुक्तसर साहिब आदि पवित्र गुरुदवारों का इतिहास व उसका महत्व बताकर साद-संगत को धन्य किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश कलिया व अध्यक्ष अशोक कलिया ने सभी आगन्तुको का स्वागत किया। श्री सुखमनी साहिब पाठ के पश्चात गुरु का प्रसाद बरताया गया। श्री सुखमनी सेवा समिति द्वारा प्रधानाचार्य ओमप्रकाश कलिया व अध्यक्ष अशोक कलिया को सरोपा व गुटका देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि छात्रों के उन्नति के पथ पर अग्रसर होने व सुख समृद्धि हेतु प्रतिवर्ष श्री सुखमनी साहिब व श्री सुन्दर कांड पाठ का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में युवा वर्ग पश्चिमी सभ्यता का अन्धानुकरण कर रहे है जिससे भारतीय संस्कार नष्ट होते जा रहे है। छात्र/छात्राओं ने प्राचीन भारतीय संस्कार पुनर्जीवित करने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रम करना विद्यालय की परम्परा रही है। उन्होने ने छात्र/छात्राओं को धर्म गुरुओं के पद चिन्हों पर चलकर जीवन को निर्मल बनाने का संदेश दिया। अध्यक्ष ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से मानसिक विकार दूर होते है तथा आत्मिक शान्ति प्राप्त होती है। धार्मिक आयोजनो व संस्कारित वातावरण के कारण ही विद्यालय के विद्यार्थियों का आईएएस, आरएएस, आईआईटी, नीट, जेट, आईसीएआर आदि में चयन हो रहा है। प्रधानाचार्य हैप्पी प्रकाश कलिया (सीबीएसई स्कूल 19 बीबी) ने मकर संक्राति का महत्व बताते हुए कहा कि इस दिन से सूर्य उतरायण में प्रारम्भ होकर लोगो के शारिरिक व मानसिक विकारों को दूर करते है। प्राकृतिक सौन्दर्य अपनी छटा बिखरने शुरु कर देता है। मकर संक्रांति पर गुड़ व तिल का बहुत अधिक महत्व है। उन्होंने बताया कि इस दिन दान पुण्य करने से व्यक्ति के सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक तथा भौतिक उत्थान में वृद्धि होती है।

प्रकृति के स्वरूप के साथ सूर्य की गति बदलने का उल्लास पर्व है- मकर संक्रांति। इस पर्व से जुड़ी हमारी प्यारी-मनोहारी सांस्कृतिक परंपराएं न केवल हमें स्वस्थ-ऊर्जावान रहने के लिए प्रेरित करती हैं। अपने घर, परिवार, रिश्तों, आस-पड़ोस और समाज से जुड़ाव को प्रगाढ़ बनाने का भी संदेश देती हैं। आइए आज इस पर्व को हम भी अपनों के संग भरपूर उमंग-उल्लास के साथ मनाएं।

सबसे जुड़कर हंसी-खुशी मनाएं मकर संक्रांति

भारतीय संस्कृति और परंपराओं में माघ, सूर्य की महिमा, स्तुति और उसकी ऊष्मा का गुणगान करने का माह है। माघ यानी मकर संक्रांति पर्व का मास। मकर संक्रांति सूर्य की आराधना का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। इस दिन सूर्य, धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है और अगले छह मास तक पृथ्वी के उत्तरार्ध की ओर झुक जाता है। इस कारण धरती पर सूर्य की गर्मी अधिक पहुंचती है, प्रकृति में तेजी से नवसृजन होता है। इस नवसृजन का प्रभाव प्रकृति के हर जीव पर पड़ता है, चाहे वह सूक्ष्म हो या वृहद। प्रकृति में हुए इस बदलाव का उत्सव मकर संक्रांति के रूप में मनाया जाता है।

सेहत-स्वाद और आत्मीयता

मकर संक्रांति का पर्व तिलकुट, गजक, रेवड़ी, मूंगफली, खिचड़ी और लड्डुओं के स्वाद में सराबोर होकर आता है। संयुक्त परिवारों में अब भी मीठी सेव, तिल और चावल के लड्डू बनाने के लिए बड़े-बड़े पतीले चूल्हे पर चढ़ते हैं। घर की सारी महिलाएं विभिन्न प्रकार के लड्डू बनाने के लिए एकत्र होती हैं। हंसी-ठिठोली करते हुए सेहत और स्वाद से भरी चीजें कनस्तर भर-भर कर बना ली जाती हैं, समय का पता ही नहीं चलता। शहर में रहने वाली काम-काजी महिलाएं अगर घर पर संक्रांति के पकवान बनाने का समय नहीं निकाल पाती हैं तो बाजार से सारी चीजें खरीद लाती हैं या ऑर्डर देकर बनवाती हैं। फास्ट फूड के जमाने में भी देसी स्नैक्स के क्रेज को बरकरार रखने के पीछे हमारे घर की बड़ी-बूढ़ी महिलाओं का विशेष योगदान होता है। तभी तो संक्रांति आते ही बाजार गजक, रेवड़ी और मूंगफली के आइटम से भर जाते हैं।

जुड़ाव का पर्व

मकर संक्रांति सिर्फ स्नान, ध्यान और प्रकृति से जुड़ने का पर्व नहीं है, यह रिश्तों से भी जुड़ने का समय होता है। देखा जाए तो यह पर्व हमें स्वाद से जोड़ने के साथ-साथ रिश्तों से भी जोड़ता है। गांव के उस आंगन और रसोईघर की स्मृतियां ताजी हो जाती हैं, जब संक्रांति के बहाने कई परिवारों का भोजन एक ही चूल्हे पर पकता था। संक्रांति पर अकसर पौष्टिक खिचड़ी, साग आदि चीजें बनाई जाती थीं। सबसे पहले बच्चे साथ मिलकर खाते थे। फिर घर के बड़ों को भोजन परोसा जाता था। अंत में घर की सारी महिलाएं बोरसी की आंच के इर्द-गिर्द बैठकर भोजन करती थीं। कड़ाके की ठंड में भी आत्मीयता की आंच सबको ऊष्मा से भर देती थी। शहर में रहने वाले परिवार उन बिछड़े दिनों को याद कर कई बार संक्रांति मनाने गांव की ओर चल पड़ते हैं तो कई परिवार अपने शहर के घरों में ही संक्रांति के उल्लास का माहौल बनाने की कोशिश करते हैं। पारिवारिक प्रेम और सहयोग की पवित्र भावना संक्रांति पर्व पर दिखती है।

दान की परंपरा

मकर संक्रांति पर नदियों में स्नान के बाद दान करने की परंपरा रही है। आज की बदली परिस्थितियों में छोटे-बड़े शहरों में भले ही नदियां नहीं हैं, लेकिन दान की परंपरा हर जगह बरकरार है। मकर संक्रांति के दिन महिलाएं तिल, मूंगफली, गजक और बेसन से बने सूखे व्यंजन अपनी काम वाली बाई, गेटकीपर, गार्ड जैसे लोगों को दान कर संक्रांति की परंपराओं को जीवित रखे हुए हैं। मकर संक्रांति पर बेटी के ससुराल में त्योहारी पहुंचाने से लेकर चौक पर बैठी बुढ़िया और उनके दीन हीन बच्चों को गुड़, तिलकुट, रेवड़ी, मिठाई और कपड़े पहुंचाती हैं। सिर्फ संक्रांति पर ही नहीं, पूरे वर्ष घर-परिवार, पास-पड़ोस सबको वो देने का विशेष ख्याल रखती हैं। रिश्तों को समय, बच्चों को प्रेम, बड़ों को सम्मान, छोटों को मान महिलाएं ही तो देती हैं।

सूर्य से प्रेरणा लें

मकर संक्रांति का सूर्य हमें अपने जीवन में आशा, उमंग और ऊर्जा भरने की प्रेरणा देता है। धुंध और कोहरे में कई हफ्ते तक निस्तेज रहने के बावजूद सूर्य अपनी आभा नहीं भूलता और चौदह जनवरी को मकर राशि में प्रवेश करता है। वैसे ही हमें भी कठिनाइयों के धुंध में पड़कर अपना विवेक, बुद्धि और हौसला नहीं छोड़ना चाहिए। मुश्किलों को अपने हौसले की नदी में विसर्जित करने का हुनर आज की स्त्री ने सीख भी लिया है। तभी तो वो दिन दूनी, रात चौगुनी गति से नई ऊंचाइयां छू रही हैं। सूर्य के समान ही अपनी आभा बिखेर रही हैं।

सामूहिकता की संस्कृति

जैसा हम सब जानते हैं, मकर संक्रांति सामूहिकता का पर्व है। यह सामूहिकता ही हमारी संस्कृति के मूल में है। हम समाज का हिस्सा हैं और सामूहिकता ही हमें जीवन जीने का उल्लास देती है। हम सभी मिल-जुल कर रहें। मिल-बांट कर खाएं। हमारे आस-पास कोई भूखा न रहे। कोई तकलीफ में न रहे और यदि किसी को भी हमारी जरूरत हो तो हम उसकी मदद को तत्पर रहें। एक तरह से देखा जाए तो सामूहिकता की संस्कृति को जीवित रखने में महिलाओं का बड़ा योगदान है। घर-परिवार को एक डोर में बांधने का सारा दारोमदार महिलाओं पर ही होता है। कोई मनमुटाव हो तो महिलाएं ही आपसी सहमति या मेल कराने के लिए पुल का काम करती हैं, एकजुट बने रहने के महत्व को समझती हैं। मकर संक्रांति का पर्व हर वर्ष यही संदेश लेकर आता है।

तन के साथ मन की शुद्धि

मकर संक्रांति पर स्नान करने की परंपरा है। जिस तरह मकर संक्रांति पर तन की शुद्धि के लिए स्नान किया जाता है, उसी तरह मन को भी शुद्ध रखना आवश्यक है। मन का शुद्धिकरण होता है, नकारात्मकता और अन्य द्वेषपूर्ण विचारों को मन से परित्याग करके। परिवार-समाज में रहते हुए कभी-कभी मन में ईर्ष्या, द्वेष, कड़वाहट की भावनाएं आ जाती हैं। सास-बहू के विचारों में टकराव, ननद-भाभी के बीच टकरार या पति-पत्नी के बीच नोक-झोंक होना आम बात है। ये अवरोधक बनकर हमारे आगे खड़े हो जाते हैं। हमारे रिश्तों की बेल आगे बढ़ने से रोकती हैं। खुश रहने और सबसे मेल-मिलाप करने से रोकती हैं। इस तरह हमारे जीवन और रिश्तों में मायूसी, उदासी और अकेलेपन की बर्फ जम जाती है। लेकिन मकर संक्रांति मन का सारा मैल साफ कर मन में प्रसन्नता का उजास जगाने का अवसर है।

मकर संक्रांति देता है सेहत संवारने के सूत्र

वैसे तो मकर संक्रांति धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है। लेकिन इससे जुड़ी परंपराएं और गतिविधियां ऐसी हैं, जिनमें हमें अपनी सेहत संवारने के सूत्र भी मिलते हैं। इनके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

मकर संक्रांति केवल एक पारंपरिक त्योहार भर नहीं है। यह सेहत बनाने और संवारने का पाठ भी पढ़ाता है। हालिया बरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होने के मायने हमने अच्छे से समझ लिए हैं। परंपरागत खान-पान और अच्छी जीवनशैली का महत्व भी अब और गहराई से समझ आया है। ऐसे में मकर संक्रांति जैसे पर्व से जुड़ी हमारी मान्यताएं, स्वास्थ्य सहेजने में मदद करने वाली हैं।

संतुलित दिनचर्या की अहमियत: यह त्योहार न केवल हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लेकर आता है बल्कि सेहत के लिए भी कई संदेश लिए है। गुनगुनी धूप वाली इस ऋतु में हमारी दिनचर्या भी बदल जाती है। यह पर्व प्रकृति के जरिए स्वास्थ्य को सहेजने की सीख देता है। मकर संक्रांति पर सूर्य के उत्तर दिशा में जाने से दिन बड़े होने लगते हैं और इसी के साथ वसंत ऋतु का भी आगमन होता है। मकर-संक्रांति से प्रकृति भी करवट बदलती है। ऊर्जा और उजास का यह पर्व, मौसम के बदलाव संग सामंजस्य बनाते हुए अनुशासित जीवन जीने की सीख देता है। वैज्ञानिक अध्ययन और चिकित्सकों की सलाह भी तन-मन को सहेजने के लिए संतुलित दिनचर्या को सबसे जरूरी बताते हैं।

धूप की जरूरत पर ध्यान: इस पर्व पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। यह केवल मनोरंजन भर नहीं है। पतंग उड़ाने की यह रीत सेहत से भी जुड़ी है। खुले आसमान तले छत पर या मैदान में पतंग उड़ाना और सूर्य की किरणों का सीधे हमारे शरीर के संपर्क में आना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। अब तो वैज्ञानिक भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि धूप में बैठने से शरीर को विटामिन-डी मिलता है। कई तरह के कीटाणु खत्म होते हैं और मन भी अवसाद से दूर रहता है। नींद अच्छी आती है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह प्राकृतिक उजास समग्र जीवन को संवारती है। मनोभावों में संतुलन लाती है। अवसाद और थकान को दूर कर ऊर्जावान जीवनचर्या से जोड़ती है।

मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल: सर्दियों का मौसम एक ठहराव लाता है। इसमें मन-अनमना सा रहता है। संक्रांति पर्व से मौसम का बदलाव और खिली धूप की रंगत मन को सुकून देती है। उत्तरायण में सूर्य के होने से व्यक्ति में नई ऊर्जा का संचार होता है। इस समय खिली धूप से मन को सकारात्मकता की उजास मिलती है। सूरज की किरणें पड़ने पर हमें खुश महसूस कराने वाले हार्मोन, सेरोटोनिन और एंडोर्फिन का स्राव बढ़ता है। जिससे हमारे मन को खुशनुमा अहसास की सौगात मिलती है।

खान-पान से बढ़े इम्यूनिटी: देश भर में लोग मकर संक्रांति के त्योहार पर तिल, मूंगफली, गुड़, चावल और उड़द की दाल जैसी चीजों का सेवन करते हैं। इन सभी चीजों में सबसे ज्यादा महत्व तिल को दिया जाता है। जो शरीर को निरोग रखता है। इस पर्व पर जिन चीजों को खाने में शामिल किया जाता है, वे पौष्टिक होने के साथ ही साथ शरीर को ऊर्जा देने वाले और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले हैं। समझना मुश्किल नहीं कि सांस्कृतिक विरासत ही नहीं सेहतमंद रहने के मोर्चे पर भी यह त्योहार बहुत महत्वपूर्ण है।

सर्दियों में जब करना हो ड्राई स्किन पर मेकअप

सर्दी के मौसम में अधिकतर लोग स्किन पर ड्राईनेस की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में ड्राई स्किन पर मेकअप करने के बाद भी ग्लो नहीं आ पाता है। इसलिए मेकअप को अट्रैक्टिव बनाने के लिए स्किन का ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आपकी भी स्किन ड्राई है तो मेकअप करने से पहले कुछ आसान टिप्स अपनाकर चार्मिंग मेकअप लुक पा सकती हैं।

यूज करें फेस वॉश: ड्राई स्किन होने के कारण कुछ लोग सर्दियों में फेस वॉश लगाना कम कर देते हैं, लेकिन आप ऐसा बिल्कुल न करें क्योंकि फेस को क्लीन करना बहुत जरूरी होता है। खासतौर पर मेकअप करने से पहले फेस वॉश करना न भूलें। ड्राईनेस कम करने के लिए आप हाइड्रेटिंग या वाटर बेस्ड फेस वॉश यूज कर सकती हैं।

स्किन पर करें मसाज: आपने नोटिस किया होगा कि ड्राई स्किन पर कई बार मेकअप के बाद क्रैक दिखने लगते हैं, जिससे स्किन सुंदर दिखने की बजाय पैची दिखने लगती हैं। ऐसे में आप जब भी मेकअप करें, उससे पहले किसी अच्छे मॉइश्चराइजर से हल्की-सी मसाज कर लें। मसाज के बाद फेस को हाथों से थपथपा लें। इससे चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन अच्छा हो जाता है और स्किन सॉफ्ट हो जाती है। ऐसा करने से मेकअप अच्छी तरह सेट हो जाता है और स्किन ड्राई नहीं रहती है। इससे मेकअप अपीलिंग दिखता है।

लिक्विड फाउंडेशन-प्राइमर: विंटर सीजन में ड्राई स्किन पर हमेशा मसाज के बाद प्राइमर जरूर लगाएं। फिर क्रीमी लिक्विड फाउंडेशन का यूज करें। इससे आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी और उस पर जब आप मेकअप करेंगी तो अच्छा रिजल्ट दिखेगा।

मेकअप प्रोडक्ट हों ग्लासी: विंटर सीजन में स्किन ड्राईनेस को देखते हुए ग्लासी मेकअप करना अच्छा ऑप्शन है। मेकअप प्रोडक्ट्स में विटामिन-ई, विटामिन-ए, विटामिन-सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स होने चाहिए। कंसीलर और फाउंडेशन भी विटामिन-सी और विटामिन-ई युक्त होने चाहिए। इनसे स्किन ज्यादा ग्लो करती है और मेकअप भी निखर उठता है।

लूज पावडर यूज ना करें: विंटर सीजन में मेकअप करने के दौरान ड्राई स्किन पर लूज पावडर का यूज बिल्कुल न करें, इससे आपका फेस और भी ड्राई नजर आने लगेगा। ये आपके मेकअप का सारा लुक खराब कर सकता है। इसलिए विंटर सीजन में लूज पावडर को अवॉइड करना सही होगा।

(मेकअप आर्टिस्ट ममता खन्ना से बातचीत पर आधारित)

हाल के वर्षों में ऑनलाइन फ्रॉड के नए तरीके डिजिटल अरेस्ट के मामले अकसर देखने-सुनने को मिलने लगे हैं। इसमें जरा सी असावधानी से आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। इससे बचने के लिए यहां बताई जा रही बातों का ध्यान रखें।

डिजिटल अरेस्ट से रहें सावधान

आज डिजिटलाइजेशन का दौर है। डिजिटलाइजेशन के अनेक फायदे हमें हमारे रोजमर्रा के जीवन में देखने को मिलते हैं। जैसे अब हमें अपने साथ कैश लेकर चलने की जरूरत नहीं होती। हर छोटे से लेकर बड़े दुकानदार, यहां तक कि सड़क पर सामान बेच रहे गुमटी वालों के पास भी यूपीआई पेमेंट की सुविधा होती है, जिससे सेकेंडों में पेमेंट बड़ी ही आसानी से हो जाती है। इतनी सुविधाओं के बावजूद कई बार इससे नुकसान भी हमें उठाना पड़ सकता है, जब हम उनका उपयोग सावधानीपूर्वक नहीं करते हैं या उपयोग करते हुए लापरवाही बरतते हैं। ऑनलाइन क्राइम्स में से एक डिजिटल अरेस्ट भी है। इसके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

क्या है डिजिटल अरेस्ट : डिजिटल अरेस्ट एक डिजिटल स्कैम है, जिसके जरिए अपराधी, लोगों को डराकर लाखों-करोड़ों रुपए लूट लेते हैं। इसमें फोन करने वाला व्यक्ति कभी पुलिस, कभी सीबीआई, कभी आरबीआई, कभी नारकोटिक्स ब्यूरो के अधिकारी तो कभी इनकम टैक्स या एटीएस अधिकारी बनकर वाट्सएप या स्काइप कॉल करता है। वो कुछ इस तरह से बात करता है कि असली अधिकारी लगता है। यहीं से डिजिटल अरेस्ट का खेल शुरू होता है। वे लोग व्यक्ति को मेंटली डराते-धमकाते हैं। वे कॉल पर कनेक्ट व्यक्ति को इस बात का यकीन दिलाते हैं कि उनके साथ या उनके परिजनों के साथ बहुत बुरा हो सकता है क्योंकि वे ड्रग्स, मनी लॉन्ड्रिंग, अवैध पार्सल, सेक्स रैकेट या फिर किसी ऐसे मामले में फंस गए हैं, जिस वजह से उन पर कानूनी कार्यवाही होना निश्चित है। ऐसे में ज्यादातर लोग डर जाते हैं, उनके जाल में फंसते चले जाते हैं और फिर जैसे-जैसे वे कहते हैं, वो करने लगते हैं। इसे ही कहते हैं डिजिटल अरेस्ट।

डिजिटल अरेस्ट से बचने के तरीके : कुछ बातों का ध्यान रखकर और कुछ जरूरी सावधानियां बरतकर आप बहुत हद तक स्वयं को डिजिटल अरेस्ट से बचा सकती हैं।

अननोन कॉल्स को इग्नोर करें : जब भी किसी अननोन नंबर या मेल आईडी से कॉल या ई-मेल के जरिए संदेश आए कि आप या आपके परिजन ड्रग्स, मनी लॉन्ड्रिंग, सेक्स स्कैंडल या चोरी जैसे आपराधिक मामले में लिप्त पाए गए हैं या जांच के दायरे में आ रहे हैं तो ऐसे कॉल या ई-मेल की ओर ध्यान न दें, उसे इग्नोर करें। रिप्लाई तो बिल्कुल न करें। हमेशा याद रखें, किसी भी एफआईआर या अपराधिक मामले पर ऑनलाइन कार्यवाही नहीं की जाती है।

बिल्कुल न डरें-न घबराएं: साइबर ठग अकसर आपके डर और घबराहट का ही फायदा उठाते हैं। वे इस बात की धमकी देते हैं कि आप पर या आपके परिजनों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी, गिरफ्तारी की जाएगी ऐसी बातों से न डरें, न ही घबराएं और न ही किसी प्रकार की कोई ओटीपी, अपना बैंक डिटेल या यूपीआई डिटेल शेयर करें।

निजी जानकारी देने से बचें: किसी भी अनजान नंबर से आए कॉल या विडियो कॉल पर बातचीत के दौरान पूछे गए सवालों के उत्तर देने की जल्दबाजी न करें। केवल सुनें और शांत रहें। किसी भी तरह की निजी जानकारी देने से बचें। जरा भी शक होने पर तुरंत फोन काट दें, अनजान नंबरों से आने वाली कॉल पर लंबी बातचीत करने से बचें।

शिकायत दर्ज करवाने में न करें देर: किसी भी प्रकार के फ्रॉड कॉल या वीडियो कॉल के शिकार होने पर चुप न बैठें। सरकारी पोर्टल चक्षु पर या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत अवश्य दर्ज कराएं। याद रखें किसी भी प्रकार के आपराधिक मामले में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए सतर्क रहें और सुरक्षित रहें।

यह सही है कि आज अधिकतर लोग भाग-दौड़ भरी जीवनशैली जीते हैं। लेकिन हर काम, हर बात में जल्दबाजी या हड़बड़ी दिखाना सही नहीं है। ऐसा 'हरी सिकनेस' की वजह से हो सकता है। 'हरी सिकनेस' की मानसिकता से बचने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

इतनी जल्दी किस बात की है...

दीपा हर वक्त मानो पायलट मोड में रहती है। इसलिए उसके घर वाले उसे हड़बड़िया कहते हैं। उसके पति उसे फटफटिया यानी फटाफट काम करने वाली कहते हैं। दरअसल, दीपा कोई भी काम हाथ में आते ही उसे जल्दी से जल्दी खत्म करने की कोशिश करती है, मानो कोई अवॉर्ड हासिल करना हो। वह हर किसी को कहती है, 'मेरे पास कोई काम कभी पेंडिंग नहीं रहता।' इसी तरह का एक और उदाहरण- मनीषा को कहीं से न्यौता मिल जाए या किसी के साथ अपॉइंटमेंट हो तो वह नियत समय से एक-डेढ़ घंटा पहले से ही तैयार हो कर इधर-उधर टहलना शुरू कर देती है। किसी तरह से वक्त होने का इंतजार करती है। कई बार तो समय से काफी पहले ही घर से निकल पड़ती है। हर वक्त हड़बड़ी में रहने के ऐसे लक्षण बताते हैं कि आप 'हरी सिकनेस' के शिकार हैं।

क्या है हरी सिकनेस: यह ऐसी मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति हर काम को बहुत जल्दबाजी में करता है। ऐसा व्यक्ति किसी भी काम को करते वक्त उद्विग्नता, चिंता या हड़बड़ी महसूस करता है। जब तक वो किसी भी तरह काम को कर नहीं लेता, तब तक बेचैन रहता है। पास में काफी समय हो तो भी व्यक्ति उस काम को जल्दी में करने की चिंता में रहता है।

हरी सिकनेस के लक्षण: हरी सिकनेस का शिकार व्यक्ति अकसर जल्दी-जल्दी बोलता है, इतनी जल्दी कि शब्द भी ठीक से उच्चारित नहीं कर पाता और बहुत सारे शब्द उसके मुंह में ही रह जाते हैं। ऐसे लोग जल्दी-जल्दी खाते हैं मानो खाना खत्म हो जाएगा या फिर खाने का वक्त ही नहीं है। इन्हें किसी चीज में जरा-सी भी देर हो जाए तो इरिटेट हो जाते हैं। ऐसे लोग अकसर एक साथ कई काम करने की कोशिश करते हैं और किसी काम को भी सही ढंग से पूरा नहीं कर पाते। हरी सिकनेस के शिकार लोग दूसरों को अपनी बात खत्म करने नहीं देते और बीच में खुद ही बोलने लगते हैं। अगर ये रेस्टोरेंट में खाने जाएं या इन्हें किसी लाइन में इंतजार करना पड़ जाए तो झल्लाने लगते हैं। ये हमेशा एक तरह की हड़बड़ाहट-घबराहट में रहते हैं।

नुकसान: हरी सिकनेस और हड़बड़ी के कई तरह के नुकसान होते हैं। इसका सबसे बड़ा असर दिमाग और सेहत पर तब पड़ता है, जब जल्दी-जल्दी काम करने पर शरीर और दिमाग थक जाता है। इससे माइग्रेन की समस्या भी हो जाती है। कई लोगों में इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है, पेट हमेशा खराब रहने लगता है। इन्हें भूख नहीं लगती और सांस फूल जाती है। अकसर ऐसे लोग बहुत जल्दी घबरा जाते हैं। समय पर इस आदत को सुधारा न जाए तो यह आदत आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज का कारण बन सकती है।

जरा धीरज रखिए: वियतनाम के बौद्ध संत थिक न्यात हान्ह ने कहा है, 'जिंदगी में ज्यादा भागम-भाग करने की जरूरत नहीं है। आप जहां हैं, वहीं ठीक हैं। आपको अपनी जगह पर ज्यादा ध्यान का अभ्यास करना चाहिए।' ज्यादातर लोग इस बात पर विश्वास नहीं करते कि सिर्फ चलना ही पर्याप्त है, ऐसे जैसे आपको कहीं जाने की जल्दी है ही नहीं। वे कहते हैं कि कभी-कभी जमीन पर ऐसे चलिए जैसे उसे चूम रहे हों। जरा रुकने का भी अभ्यास करिए। चाय आहिस्ता-आहिस्ता पीजिए। ऐसे पिएं जैसे यही वह धुरी है, जिस पर पृथ्वी घूमती है। भविष्य की ओर भागे बिना वास्तविक क्षणों को जिएं। यह जो क्षण है, वही जिंदगी है।

जापानी दर्शन गमन में भी धैर्य, निरंतरता और दृढ़ता का पाठ पढ़ाया जाता है। इसमें कहा गया है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हमें चिड़चिड़ापन, झुंझलाहट या गुस्सा करने से बचें और शांत मन से स्थिति का सामना करना चाहिए।

मकर संक्रांति व पूर्णमासी पर सजाए कीर्तन दीवान

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। डी ब्लॉक वकीलों वाली डिग्गी के नजदीक गुरुद्वारा शिरोमणी भगत संत नामदेव में मंगलवार सुबह मकरसंक्रांति के पावन पर्व पर विशेष कीर्तन दीवान सजाया गया। गुरुद्वारा प्रधान हरदर्शन सिंह ने बताया कि इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में रविवार को आरंभ हुए श्री अखंड पाठ साहिब के भोग उपरांत हुजूरी रागी जत्था भाई गुरप्रीत सिंह ने कीर्तन द्वारा संगत को निहाल किया, उसके बाद गुरु का अटूट लंगर बरताया गया। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह मकरसंक्रांति पर गुरुद्वारा साहिब में बड़ी संख्या में संगत ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष इलाके की तरक्की और खुशहाली के लिए अरदास की। गुरुद्वारा साहिब में सोमवार रात को भी पूर्णमासी के अवसर पर कीर्तन दीवान सजाया गया।

घर के बाहर खड़ी कारों का शीशा तोड़ने की घटना से लोगों में रोष

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। नगर पालिका और शनि मंदिर के पास घर के बाहर खड़ी कारों पर इंटरलॉकिंग ईट मारकर शीशा तोड़ने की घटना को लेकर लोगों में रोष व्याप्त है।। नगर पालिका के पास भारतीय जनता पार्टी एससी युवा मोर्चा सुभाष सोनगरा व प्राचीन ढाब शनि मंदिर के पास कालूराम शर्मा के घर के आगे खड़ी कारों पर रात को लगभग 12ः00 बजे बाइक पर सवार तीन युवकों ने कारों के शीशे पर इंटरलॉकिंग की ईट मारकर शीशे तोड़ने की घटना को अंजाम दिया। सुभाष सोनगरा ने बताया सुबह घटना का पता लगाने पर सिटी थाना में सूचना देकर आसपास के सीसीटीवी कैमरे देखने पर राठी स्कूल की तरफ से सोढ़ी की फैक्ट्री के आगे से बाइक पर तीन लड़कों ने बालाजी ग्लास के आगे बाइक रोककर इंटरलॉकिंग ईट उठाकर कार की तरफ आते दिखाई दे रहे हैं। इन्हीं लोगों ने कार की खिड़की का शिक्षा तोड़ दिया, ईट भी कार के अंदर पड़ी मिली है। इस घटना के थोड़ी देर बाद आदर्श कॉलोनी की तरफ जाने वाली सड़क पर प्राचीन ढाब शनी मंदिर के पास कालूराम शर्मा के घर के आगे खड़ी कार के अगले शीशे पर इंटरलॉकिंग ईट से तीन चार बार चोटें मारकर कार का अगला शीशा बुरी तरह से तोड़ दिया। दोनों घटनाओं की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल कर दोषियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। भारतीय जनता पार्टी एससी युवा मोर्चा के सुभाष चंद्र ने कहा दोषियों को तीन दिन में नहीं पकड़ा तो प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रश्नोत्तरी, भाषण एवं नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। श्री आत्म वल्लभ जैन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, श्रीगंगानगर में स्वामी विवेकानंद जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस तथा कैरियर डे के रूप में मनाते हुए भाषण एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय निदेशक डॉ. संजय अरोड़ा ने बताया कि सर्वप्रथम महाविद्यालय स्टाफ सदस्यों तथा छात्राओं ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। प्राचार्य डॉ. पंकजलता ने स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला तथा उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इस मौके पर स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े पहलुओं पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई। इस कार्यक्रम में उप प्राचार्य प्रो. रूबल डाल ने युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानन्द के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों से छात्राओं को अवगत करवाया। प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया। निर्णायक मण्डल द्वारा घोषित परिणाम अनुसार भाषण प्रतियोगिता में बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा तनिषा चौधरी ने प्रथम, बी.ए. सेमेस्टर तृतीय की छात्रा अदीबा रिजवी ने द्वितीय तथा बी.ए.बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा प्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नारा लेखन प्रतियोगिता में बी.सी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा पूनम प्रथम, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अनमोल द्वितीय तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा पुतुल शर्मा तृतीय रही। श्रुति बंसल व सुमेस्ता ने सांत्वना पुरस्कार हासिल किया। इस अवसर पर छात्राएं एवं महाविद्यालय स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

शिक्षक संघ (प्रगतिशील) की बैठक आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) उपशाखा श्रीगंगानगर की बैठक सोमवार को स्थानीय नेहरू पार्क में ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। ब्लॉक मंत्री ब्रह्मदत्त छींपा ने बताया कि बैठक में 17-18 जनवरी को रामा मैरिज पैलेस नजदीक अरड़की बस स्टैण्ड़ नोहर में आयोजित होने वाले प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन की तैयारियों के संदर्भ में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई व ब्लॉक शाखा की तरफ से अधिक से अधिक संख्या में सदस्यों के शामिल होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। बैठक में कुलदीप सिंह, महेन्द्रपाल धींगड़ा, महावीर अरोड़ा, धर्मपाल भूंवाल, मदन वर्मा, अतुल सिंह राठौड़, रविन्द्र सिंह गिल, भीमसेन स्वामी, वीरेन्द्र कुमार वर्मा आदि उपस्थित रहे।

श्री रामदेव गौशाला समिति में शेड का लोकार्पण

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। श्री रामदेव गौशाला समिति सूरतगढ़ में तुडी गोदाम 30×75 के शैड का निर्माण मारवाड़ी युवा मंच काटन सिटी सूरतगढ़ द्वारा निर्मित शेड का लोकार्पण मंच के अध्यक्ष दिपक बोथरा, सचिव राजेश बेजारा व पूरी टीम के साथ श्री रामदेव गौशाला समिति के अध्यक्ष मधाराम स्वामी, सचिव भूपसिह सुमार,रूपनगर कल्याण भूमि अध्यक्ष जिलेसिंह यादव, श्री श्याम युवा मजुल अध्यक्ष देवेन्द्र सिह राजपूत ने विधिवत पूजा अर्चना करके रिबन काटकर उद्ड़घाटन किया। मारवाड़ी युवा मंच कॉटन सिटी राष्ट्रीय कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण संयोजक डा. सुनिल वर्मा, प्रांतिय उपाध्यक्ष मधुसुदन सारड़ा, शेड निर्माण प्रभारी गिरधारीलाल गोदारा ने मारवाड़ी युवा मंच कॉटन सिटी संस्था द्वारा करवाये जाने वाले कार्यो का महत्व एवं उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। मंच के सदस्य पवन सोमानी, शिवचरण उपाध्याय, राकेश झवर, माधव कोठारी, शुभम सेखसरिया, मंगल सिंह, दिपक कुमार मूंधड़ा व टीम के सदस्य उपस्थित रहे। श्री रामदेव गौशाला- समिति के वरीष्ठ रामेश्वरदास स्वामी, बीरबलराम जाखड़ गुमानाराम गोदारा, युवा टीम के कुलदीप वर्मा, रविन्द्र कुमार वर्मा, सुनिल मुंड, सितारामम, रतिराम स्वामी, जोतराम सैन, रामलाल स्वामी, शक्तिसिंह राजपूत, भगवानाराम स्वामी व टीम ने मारवाड़ी युवा मंच के पदाधिकारी टीम का स्वागत किया। जी एस एस एस अध्यक्ष गिरधारी नाथ, बरिष्ठ अधिवक्ता साहबराम स्वामी व कृष्णकुमार वर्मा ने गौशाला समिति की कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर व गौशाला का निरिक्षण करके हमेशा समिती का सहयोग करने का आश्वासन दिया। सचिव भूपसिंह सुधार व अध्यक्ष मलाराम स्वामी ने मारवाडी युवा मंच काटन सिटी सूरतगढ़ का आभार जताया । पोलिथीन विरोधी लेखराम भेदर व युवा टीम के सभी आगुत्रको को मिठाई खिलाकर स्वागत किया। अध्यक्ष भगवाना राम गोदारा ने आभार प्रकट किया।

बधिरान्ध बहुदिव्यांग बच्चों ने लोहड़ी एवं मकर सक्रांति पर्व हर्षोल्लासपूर्वक मनाया

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। विद्युत कॉलोनी स्थित नवचेतना बहुदिव्यांग संस्थान में सोमवार को श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम स्थित भव्य मंदिर में रामलीला प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ तथा लोहड़ी व मकर संक्राति का पर्व धूमधाम से हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। सर्वप्रथम लोहड़ी की पावन अग्नि प्रज्वलित की गई तथा तिल की आहुति दी गई। इस मौके पर संस्थान के बधिरान्ध बहुदिव्यांग बच्चों तथा अभिभावकों ने लोहड़ी के पंजाबी लोक गीतों पर गिद्दा-भंगड़ा कर खूब आनंद प्राप्त किया। संस्थापक ओम बवेजा ने बताया कि इस कार्यक्रम में बच्चों ने संस्थान की फंडिंग एजेंसी मुकुल माधव फाउंडेशन द्वारा भेजे गए पतंग उड़ाकर खुशी का इजहार किया। इसके साथ-साथ संस्थान के बहुदिव्यांग छात्र पुनीत का जन्मदिन केक काटकर उत्साह पूर्वक मनाया गया।

भारतीय मजदूर संघ का जिला अधिवेशन 15 को

❏ राष्ट्रहित, उद्योग हित एवं श्रमिक हित में विभिन्न मुद्दों पर होगी चर्चा

श्रीगंगानगर(जनमार्ग न्यूज)। भारतीय मजदूर संघ, श्रीगंगानगर का जिला अधिवेशन 15 जनवरी 2025, बुधवार को प्रात- 10.30 बजे जवाहर नगर तहसील के समीप स्थित मुकेश ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। जिला मंत्री राजीव वर्मा ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होने जा रहे इस जिला अधिवेशन के मुख्य अतिथि विधायक जयदीप बिहाणी, विधायक गुरवीर सिंह बराड़, श्रीयादे माटी कला बोर्ड राजस्थान सरकार अध्यक्ष (राज्य मंत्री) प्रहलाद राय टाक तथा वरिष्ठ समाजसेवी अशोक चांडक, स्वागताध्यक्ष जिला संघचालक अमरचन्द बोरड़, उदघाटनकर्ता असंगठित क्षेत्र भवन निर्माण व मिड डे मील के प्रदेश प्रभारी व जिला प्रभारी बृज मनोहर पिथाणी एवं मुख्य वक्ता संभाग प्रभारी (असंगठित) गौरीशंकर व्यास होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ जिलाध्यक्ष कुलविन्द्र सिंह ग्रेवाल द्वारा की जाएगी तथा स्वागतकर्ता सीता स्वामी व ताराचंद माहर हैं।

जिला अधिवेशन में भारतीय मजदूर संघ तथा सम्बद्ध संगठन 24 एफएडी, केन्द्रीय राज्य फार्म मजदूर संघ, धानका तोला मजदूर संघ, विश्वकर्मा मार्बल राज मिस्त्री मजदूर संघ, श्री विश्वकर्मा इलेक्ट्रिक ट्रेड एंड लेबर संघ, जय किसान ट्रैक्टर ट्रॉली मजदूर संघ, गंगानगर प्राइवेट ट्रांसपोर्ट मजदूर संघ, गंगानगर राज मिस्त्री मजदूर संघ, गंगानगर आंगनवाड़ी आशा सहायिका कार्यकर्ता संघ, एफसीआई मजदूर संघ, जोधपुर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ, राजस्थान परिवहन निगम संयुक्त कर्मचारी फेडरेशन तथा भारतीय डाक कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जोर-शोर से तैयारियों में जुटे हुए हैं तथा निमंत्रण-पत्र वितरित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विधायक जयदीप बिहाणी को संगठन पदाधिकारियों द्वारा निमंत्रण-पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ संरक्षक श्रवण सिंह, जिलाध्यक्ष कुलविंदर ग्रेवाल, जिला मंत्री राजीव वर्मा, गंगानगर राज मिस्त्री मजदूर संघ अध्यक्ष ताराचन्द माहर, मदन बरावड़, गुरमीत सिंह, राधेश्याम गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, शिवकुमार, दिलबाग सिंह सहित पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

भारतीय मजदूर संघ द्वारा समस्त सम्बद्ध संगठनों के पदाधिकारियों व सदस्यों सहित जिलेभर के श्रमिकों से 15 जनवरी 2025, बुधवार को प्रातः 10.30 बजे जवाहर नगर तहसील के समीप स्थित मुकेश ऑडिटोरियम में आयोजित जिला अधिवेशन में उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर श्रमिक एकता का परिचय देने का आह्वान किया है।

6 महीने के लिए फिर टला जनगणना का काम

30 जून तक प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव संभव; केंद्र को भेजी जाएगी रिपोर्ट

जनमार्ग न्यूज

भोपाल। मध्य प्रदेश में जनगणना का काम फिर से 6 महीने के लिए टाल दिया गया है। अब सरकार को 30 जून 2025 तक प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव करने की अनुमति दी गई है। इसके बाद सीमाओं को फ्रीज कर रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। जनगणना शुरू करने का फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय करेगा। जनगणना निदेशक भावना वालिम्बे ने बताया कि मुख्य सचिव को पत्र भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि सरकार 30 जून 2025 तक जिलों, तहसीलों, गांवों, शहरों और अन्य प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में बदलाव कर सकती है। इसके बाद रिपोर्ट जनगणना निदेशालय को भेजनी होगी। देश में साल 2011 के बाद से जनगणना नहीं हुई है।

लोहड़ी स्नेह मिलन कार्यक्रम हुआ आयोजित

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़ । भारत विकास परिषद शाखा सूरतगढ़ द्वारा लोहड़ी स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन चोपड़ा धर्मशाला मे किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ भारत विकास परिषद् के संरक्षक डॉ के एल बंसल, कुटुंब प्रबंधन प्रभारी घनश्याम शर्मा, अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, डॉ जितेंद्र राठौड़ एडवोकेट पीसी चुग द्वारा मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद वन्दे मातरम व लोहड़ी प्रज्वलन का आयोजन किया गया। संगीत में परिषद् के बृजमोहन प्रजापत, ललिता प्रजापत डॉ हर्ष भारती, डॉ सर्वेश शर्मा, वैभवी आहूजा, अर्जुन मदान, मनस्वी गुप्ता वंशिका गुप्ता, युवराज गुप्ता, विधी खेमका व एडवोकेट पी सी चुग अन्य ने अपने प्रस्तुति दे मंत्रमुग्ध किया। खेल प्रतियोगिता में प्रभारी पवन मुंजाल, संजीव मदान, कोषाध्यक्ष नवीन खेमका व सौरभ आहूजा ने करवाई जिस में महिला, म्यूजिकल चेयर दौड़ में ललिता प्रजापत प्रथम रही। वहीं पुरुष में अमरेंद्र कलसी विजेता रहे दंपति माला पहनाने के प्रतियोगिता में संजय पारीक दंपति प्रथम रही। बच्चो की रोचक प्रश्नोत्रों प्रतियोगिता हुई। मंच संचालन शाखा सचिव राजेंद्र सारस्वत द्वारा किया गया। दो नए सदस्य नन्द किशोर गोयल, पायल गोयल व डॉ हर्ष भारती डॉ के एल बंसल व अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा जी शपथ ग्रहण करवाई। कुटुंब प्रबोधन विषय पर प्रभारी श्री घनश्याम शर्मा ने अपना व्याख्यान दिया। सुरेश कोठारी, सुनील सिंगल, संजय पारीक, पवन खुरान नवीन गुप्ता आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर दिव्यांग सहायता उपकरण प्रकल्प के तहत नरेश जग्गा परिवार द्वारा एक सक्शन मशीन व एयर मेटर्स दिया गया।

विवेकानन्द जयंति एवं लोहड़ी पर्व पर वद्धजनों को भोजन कराया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। विवेकानन्द सेवा ट्रस्ट द्वारा विवेकानन्द जयंति एवं लोहड़ी पर्व पर अपना घर आश्रम में प्रभुजनों को भोजन कराया व लोहड़ी व मकर सक्रांति की शुभकामनाएँ एवं बधाई देते हुए लोहड़ी जलाई व मूंगफली, रेवड़ी तथा गजक का प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नीरज बंसल थे अध्यक्षता राजकुमार गुप्ता ने की। इस कार्यक्रम में जगीरचन्द फरमा सचिव, जयप्रकाश गुप्ता, सतीश अग्रवाल, सुरेश खेमका उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक अशोक गर्ग व विशिष्ठ अतिथि सतीश सिंगल, दीपक नागौरी, बाबूलाल, पवन बंसल, नरेश अग्रवाल, विपिन गुप्ता, पीयूष सिंगल, चन्द्रेश सिंगल, श्रवण कुमार, रेणु गुप्ता, निशा अग्रवाल, रेणु खेमका, अंजलि खेमका, सरिता गुप्ता, मंजू सिंगल, वैशाली सिंगल, सुधा गर्ग, मीनाक्षी गर्ग, अनाया सिंगल, हेमा नागौरी, संगीता गुप्ता, जानकी, अध्याय सिंगल आदि ने उपस्थित रहकर प्रभुजनों को प्रसाद बांटने में सहयोग दिया।

इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने इस पुनीत कार्य में सहयोग करने वाले ट्रस्ट पदाधिकारियों व सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ट्रस्ट का हमेशा ही प्रयास रहता है कि प्रत्येक त्यौहार व अपने परिवार की खुशियां ऐसी जगह आयोजित की जाएं जिनसे प्रभुजनों व जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी आए।

लंगर सेवा लगातार जारी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीं गुरु अर्जुन दास जी सत्संग भवन के सस्थांपक व श्री रुद्र हनुमान सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुरु अर्जुन दास जी द्वारा लंगर सेवा लगातार जारी है। सत्संग भवन में 624लंगर लगाया गया। लंगर में मुंगफली,गजक, रेवड़ी,फुलमखाना, तीलपटी, गाजर पाक का श्री रुद्र हनुमान जी को भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। श्री गुरु अर्जुन दास जी द्वारा आशीर्वचन में बताया गया कि मकर संक्रान्ति क्यों मनाई जाती है ÷पुराणों के अनुसार शनीदेव अपने पिता सुर्य से मिलने आते हैं, सुर्य देव मकर राशि के कारक है । विष्णु भगवान ने असुरों पर विजय प्राप्त की। श्री गुरु अर्जुन दास जी द्वारा सत्संग भवन में स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमे अध्यक्ष गुरु अर्जुन दास जी, हुकमी देवी, संगठन मंत्री सतपाल कोर, खुशी, बीकानेर से पर्यावरण मंत्री अभिषेक गुप्ता, प्रचार मंत्री ऊशा गुप्ता, वैभव, हिमांशी, मयंक, बसन्त किराडू, चंडीगढ़ से एमडी सतीश मिढ्ढा, अध्यक्ष आशा मिढ्ढा, सुरज ,विरेन्द्र घडोला, जगतार सिंह, राजा केसरी सिंह मंडी से , एडवोकेट ओमप्रकाश छाबड़ा, रोहित छाबड़ा, विजय, ननु छाबड़ा, अबोहर से सुभाष, भुमी, अनुज मल्होत्रा व अन्य मौजूद रहे।

मां ने डांटा तो 10 वर्षीय बेटा फंदे से लटका

❏ छठी क्लास के स्टूडेंट को हिदायत दी थी- खेलकूद छोड़ पढ़ाई कर

अलवर(जनमार्ग न्यूज)। मां ने बुआ के घर रहकर पढ़ाई कर रहे 10 साल के बेटे को डांटा तो नाराज होकर उसने सुसाइड कर लिया। वह छठी क्लास का स्टूडेंट था। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। परिवार के लोग पुलिस कार्रवाई नहीं चाहते। घटना सोमवार दोपहर में अलवर जिले की राजगढ़ इलाके में हुई थी। राजगढ़ थाना एएसआई सूरजमल ने बताया- मां की फटकार के बाद बच्चे ने पेड़ पर रस्सी से फंदा लगाकर जान दे दी। उसका नाम उदित था। वह धमरेढ़ गांव में अपनी बुआ के घर रह रहा था। धमरेढ़ के ही वह प्राइवेट स्कूल में छठी क्लास में पढ़ता था। रविवार दोपहर टहला क्षेत्र के मांडलवास से मां का फोन आया था। फोन पर बुआ ने उदित के खेलने को लेकर शिकायत की तो मां ने फोन पर फटकार लगाई थी। मां ने खेल-कूद छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान देने की बात कही थी। सोमवार दोपहर वह बुआ के घर के पीछे सुनसान में 200 मीटर दूर गया। वहां एक पेड़ पर रस्सी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।

मां ने डांटा तो बेटा फंदे से लटका

जनमार्ग न्यूज

राजगढ़। मां ने बुआ के घर रहकर पढ़ाई कर रहे 10 साल के बेटे को डांटा तो नाराज होकर उसने सुसाइड कर लिया। वह छठी क्लास का स्टूडेंट था। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। परिवार के लोग पुलिस कार्रवाई नहीं चाहते। घटना सोमवार दोपहर में अलवर जिले की राजगढ़ इलाके में हुई थी। राजगढ़ थाना एएसआई सूरजमल ने बताया कि मां की फटकार के बाद बच्चे ने पेड़ पर रस्सी से फंदा लगाकर जान दे दी। उसका नाम उदित था। वह धमरेड़ गांव में अपनी बुआ के घर रह रहा था। धमरेड़ के ही वह प्राइवेट स्कूल में छठी क्लास में पढ़ता था। रविवार दोपहर टहला क्षेत्र के मांडलवास से मां का फोन आया था। फोन पर बुआ ने उदित के खेलने को लेकर शिकायत की तो मां ने फोन पर फटकार लगाई थी। मां ने खेल-कूद छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान देने की बात कही थी। सोमवार दोपहर वह बुआ के घर के पीछे सुनसान में 200 मीटर दूर गया। वहां एक पेड़ पर रस्सी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद बच्चे को फंदे से उतारकर परिवार वाले राजगढ़ हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चोरियों व नशे के खिलाफ धरना 23 को

श्री कुंडिया सारस्वत समाज समिति सूरतगढ की कार्यकारणी की बैठक संपन्न

सूरतगढ़। श्री कुंडिया सारस्वत समाज समिति की बैठक अध्यक्ष डॉ महावीर सारस्वा की अध्यक्षता में ब्राह्मण धर्मशाला में संपन्न हुई। सचिव श्याम सुंदर कायल ने बताया कि पधारे हुए सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने डॉक्टर महावीर सारस्वत व श्रीकांत सारस्वत को लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराने के लिए धन्यवाद दिया व बधाई दी तथा डॉ महावीर सारस्वत को अध्यक्ष बनने पर स्वागत किया। बैठक में निर्माण कमेटी अध्यक्ष एडवोकेट रामस्वरूप तावनिया ने संबोधन में बताया हम सूरतगढ़ के समस्त सारस्वत समाज को साथ लेकर श्री कुंडिया सारस्वत समाज की भव्य धर्मशाला का निर्माण करेंगे। अनंतराम कायल ने समाज के सामने धर्मशाला में बनी हुई दुकानों के संबंध में विस्तार से अपनी बात रखी। एडवोकेट श्रीकांत सारस्वत ने कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को विश्वास दिलाया कि पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से समाज के अध्यक्ष बने हैं डॉ महावीर सारस्वा को बधाई देते हुए तन मन धन से सहयोग देने का वादा किया तथा उनके नेतृत्व में समाज हित मैं अच्छे कार्य हो ऐसी अपेक्षा की तथा उन्होंने समाज को विश्वास दिलाया है कि मेरे जो घोषणा पत्र में जो एजेंट थे उनमें मैं आज भी कायम हूं तथा उन्होंने कार्यकारिणी में विस्तार के संबंध में भी अपने सुझाव दिए। उपाध्यक्ष भादरराम ओझाईया ने कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए बताया कि लोकतांत्रिक तरीके से चुने हुए अध्यक्ष डॉ महावीर सारस्वा को उप रजिस्ट्रार श्रीगंगानगर में समाज के ही कुछ भी विप्रजन द्वारा अवैध घोषित करवाने की कोशिश की जा रही है जिसकी समाज निंदा करता है। लीलाधर सारस्वा ने पूर्व में समाज को एकजुट करने के प्रयास को बताया कि किस तरीके से समाज को एकजुट करने का काम किया। कोषाध्यक्ष रमेश कायल ने भी समाज के सामने बात रखते हुए कहा कि जब तक नव नियुक्त अध्यक्ष व उनकी कार्यकारिणी का उप रजिस्टार ऑफिस में कार्यकारिणी का पंजीकृत नहीं हो जाता जब तक हम किसी प्रकार से पैसे का लेनदेन नही करेंगे।सचिव श्यामसुंदर कायल ने बैठक में पास हुए एजेंडा को बताया की 23 फरवरी 2025 को कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण व समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का समारोह किया जाएगा, धर्मशाला का निर्माण जो रुका हुआ है उसे पुन शुरू किया जाएगा,

उप-रजिस्टार में समिति की कार्यकारणी का विस्तार किया जाएगा, पूर्व अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष से चंदे का हिसाब व समिति के समस्त कागज लिये जायेंगे, डॉ अंकित जवरिया व शहर में हो रही चोरियों और नशे के खिलाफ दिनांक 23 जनवरी 2025 को पुलिस थाने के सामने 1 दिन का धरना दिया जाएगा, श्री कुंडिया सारस्वत समाज की निर्माणधीन धर्मशाला में अन्य समाज को जो दुकान दे रखी है उसे खाली करवाने का काम किया जाएगा,सूरतगढ़ विधानसभा में समाज जो?ो अभियान के तहत सदस्य बनाए जाएंगे, कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए एक्टिव सदस्य और कार्यकारी में लिए जाएंगे। इन सभी एजेंडा को कार्यकारिणी ने हाथ उठाकर समर्थन देकर पास किया। अध्यक्ष डॉ महावीर सारस्वा ने पधारे हुए समस्त कार्यकारिणी के पदाधिकारी व सदस्यों का प्रथम बैठक में पधारने पर धन्यवाद दिया तथा सभी से वादा किया कि पूरे सारस्वत समाज को साथ लेकर धर्मशाला का भव्य निर्माण करेंगे तथा सदस्य अभियान में जो चंदा आया उसका हिसाब समाज के सामने रखा।

बैठक में राम कुमार तावनिया, रामस्वरूप तावनिया, रतनलाल सारस्वा, सत्यनारायण सारस्वा,वेद प्रकाश शर्मा,लीलाधर सारस्वा महावीर ओझाईया,पवन ओझाईया,गोरी शंकर कौशिक,श्रीकांत सारस्वत, शंकर ओझा, चिरंजी लाल ठाकरानी,बलदेव राज ठाकरानी, पवन मोट, पवन ओझाईया,श्री भगवान मोट,मुकेश तावनिया,कृष्ण लाल शर्मा,लालचंद ओझा, मांगीलाल मोट,धनराज तावनिया,बद्री प्रसाद बनानी, रतन मोट,राम रतन बनानी,शिव शंकर ओझाईया,नरेंद्र ओझा,मुखराम ओझाईया,भीम जवरिया व अन्य उपस्थित थे।

मीरा कन्या कॉलेज सरकारीकरण की प्रक्रिया विचाराधीन

एमओयू हस्ताक्षरित नहीं होने के कारण, पूर्ण नहीं हुई राजकीयकरण की प्रक्रिया समस्त कार्यों के लिए प्रबन्ध समिति दायित्वधीन: संयुक्त निदेशक

जनमार्ग न्यूज

संगरिया। राज्य सरकार की ओर से मीरा कन्या महाविद्यालय के पूर्णरूपेण राजकीयकरण के सम्बन्ध में पुनः बाधा उत्पन्न हो गई है। शिक्षा सत्र 2024-25 में महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ न होने के कारण महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका प्रस्तुत की गई। जिसके उत्तर में 29 अक्टूबर 2024 को राज्य सरकार की ओर से न्यायालय को यह अवगत करवाया गया कि प्रबन्ध समिति द्वारा एमओयू हस्ताक्षर न करने के कारण राजकीयकरण की प्रक्रिया पूर्ण रूपेण सम्पन्न नहीं हो सकी है तथा लम्बित है। ऐसे ही तथ्य राज्य सरकार द्वारा महाविद्यालय को वर्ष 2013 से राजकीय महाविद्यालय का दर्जा प्राप्त होने, महाविद्यालय के कर्मचारियों को राज्य सरकार में समायोजन तथा वेतन दिए जाने के सम्बन्ध में संजय आर्य तथा डॉ. हरमेन्दर गर्चा द्वारा प्रस्तुत अलग-अलग लम्बित याचिकाओं में इसी तथ्य को दोहराया गया है।

इस सम्बन्ध में 7 जनवरी 2025 को महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. रामपाल अहरोदिया कार्यवाहक प्राचार्य राजकीय नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय हनुमानगढ़ ने सचिव मीरा कन्या महाविद्यालय को पत्र प्रेषित करते हुए वह कार्यालय टिप्पणी प्रेषित की है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि मीरा कन्या महाविद्यालय को राजकीय महाविद्यालय में परिवर्तित किए जाने की घोषणा की गई थी। परन्तु अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण नहीं होने के कारण संस्था का पूर्णरूपेण राजकीयकरण नहीं हो सका है। वर्तमान में उक्त प्रकरण निवर्तमान राज्य सरकार द्वारा अन्तिम छः माह में लिए गए निर्णयों की समीक्षा में समीक्षाधीन है। वर्तमान में उक्त संस्था निजी महाविद्यालय के रूप में संचालित है। संस्था के समस्त कार्यों का दायित्व सम्बन्धित प्रबन्ध समिति का है। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राज्य सरकार द्वारा प्राचार्य राजकीय नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय हनुमानगढ़ को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए निर्देश दिए गए थे कि वह अपने स्टॉफ में से महाविद्यालय के लिए प्रभारी नियुक्त कर प्रवेश अध्ययन एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का संचालन करें।

महाविद्यालय के राजकीय अधिग्रहण से सम्बन्धित रहे पूर्व सचिव संजय आर्य ने कहा कि राज्य सरकार का यह आदेश न केवल स्वयं के पूर्व में पारित आदेशों के विपरीत है अपितु माननीय उच्च न्यायालय के मीरा कन्या महाविद्यालय के राजकीयकरण के सम्बन्ध में पारित आदेशों के प्रति अवमाननाकारी है। जिसके लिए अलग से कार्यवाही संस्थित की जा रही है। उन्होंने इस बात पर अफसोस व्यक्त किया कि प्रबन्ध समिति ने जांनबूझकर राजकीयकरण की प्रक्रिया को लम्बित रखा और वर्तमान सरकार पूर्व की भांति महाविद्यालय के नीजिकरण के रास्ते पर निर्णयों की पुनः समीक्षा कर रही है, जो छात्राओं की सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का कुठाराघात है।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

एसजीएन खालसा कॉलेज में लोहड़ी मनाई

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। एसजीएन खालसा कॉलेज, जंक्शन में लोहड़ी महोत्सव बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक समिति के सदस्य अंग्रेज सिंह भुल्लर, मलकीत सिंह मान और प्रिंसिपल डॉ. बलदेव सेवटा ने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए विधिवत लोहड़ी की पूजा-अर्चना की और लोहड़ी प्रज्वलित की। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पारंपरिक गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन प्रस्तुतियों में पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर की झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों के जोश और उत्साह ने पूरे माहौल को उल्लासमय बना दिया। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. बलदेव सेवटा ने लोहड़ी महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोहड़ी हमारे पारंपरिक त्योहारों में से एक है, जो नई फसल की खुशी, समृद्धि और उत्साह का प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य युवा पीढ़ी में परंपरा और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। डॉ. सेवटा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है और यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में सहायक होते हैं।

ग्रेविटी इंस्टीट्यूट में आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा, 2700 विद्यार्थियों ने लिया भाग

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। रविवार को द ग्रेविटी इंस्टीट्यूट, जंक्शन में चौथी बार आयोजित ष्ग्रेविटी स्कॉलरशिप परीक्षाष् में भारी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस परीक्षा में टाउन, जंक्शन, संगरिया और पीलीबंगा क्षेत्र से कक्षा 8वी , 10वीं और 12वीं विज्ञान वर्ग के 2700 छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ग्रेविटी इंस्टीट्यूट के संस्थापक प्रदीप पचार व निदेशक कैलाश सीरवी ओर प्रेम कुमार ने जानकारी दी कि यह परीक्षा विज्ञान के क्षेत्र में रुचि रखने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को निखारने और उन्हें आगे ब?ाने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। चौथी बार आयोजित इस परीक्षा के लिए विद्यार्थी ठंड के मौसम के बावजूद बेहद उत्साहित दिखे। परीक्षा के आयोजन में विद्यार्थियों की संख्या और उनकी रुचि इस बात का प्रमाण है कि शिक्षा के प्रति उनका झुकाव निरंतर बढ़ रहा है। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करना है। निदेशक मंडल ने बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से लगभग 1 करो? रुपये की स्कॉलरशिप वितरित की जाएगी। यह स्कॉलरशिप उन विद्यार्थियों को दी जाएगी, जो नीट और आईआईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। मैनेजमेंट हेड मनोज चौधरी व दीनदयाल ने कहा कि द ग्रेविटी इंस्टीट्यूट का उद्देश्य हनुमानगढ़ जिले को शिक्षा के क्षेत्र में एक

अग्रणी स्थान दिलाना है। उन्होंने बताया कि संस्थान की टीम कड़ी मेहनत कर रही है ताकि जिले के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। संस्थान का मानना है कि इस प्रकार की परीक्षाएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को ब?ावा देती हैं। ग्रेविटी स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। इस पहल से न केवल प्रतिभावान छात्रों को आर्थिक सहायता मिलेगी, बल्कि उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरणा भी मिलेगी। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने भी इस प्रयास की सराहना की और कहा कि इस तरह की परीक्षाएं उन्हें अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान करती हैं। हनुमानगढ़ जिले में द ग्रेविटी इंस्टीट्यूट के इस प्रयास ने यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन और अवसर दिए जाएं, तो यहां के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध : दाधीच

जनमार्ग न्यूज

रावतसर। राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में बंपर भर्ती खोली गई है। किसा ह्रून, मजदूर व व्यापारी सभी के हितों का व्यापक ध्यान रखा जा रहा है। यह बात भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने आज रावतसर प्रवास के दौरान आयोजित स्वागत समारोह में कही। पीलीबंगा जाते समय नोखा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई के साथ यहां पहुंचे दाधीच का स्थानीय विप्र समाज व व्यापारी वर्ग की ओर से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र पारीक व भाजयुमो जिला अध्यक्ष सुशील जोशी का भी अभिनंदन किया गया। इस दौरान भाजपा नेत्री किरण मेघवाल, नरेश शेरडा, निरंजन दाधीच, विनोद गुरु चुरु, पालिका अध्यक्ष सोना देवी, उपाध्यक्ष हेमंत पचार, सुरेंद्र पुरोहित, विष्णु जोशी, विप्र समाज के छगन जोशी, मदन पारीक, दिलीप छींपा, हरिकृष्ण पचार, पार्षद सुखराम छिपा, महावीर सुड्डा, श्याम पारीक, अरविंद जोशी, भजनलाल पंचारिया, राकेश शास्त्री सहित काफी संख्या में गणमान्यजन मौजूद रहे।

नेहरू युवा केंद्र द्वारा अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का भव्य समापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। नेहरू युवा केंद्र, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा युवा दिवस के अवसर पर आयोजित अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का भव्य और समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस कार्यक्रम ने युवाओं के व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य को साकार किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सेवानिवृत्त आईजी गिरीश चावला, कार्यक्रम अध्यक्ष टिब्बी उपखंड अधिकारी सत्यनारायण सुथार, विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद डॉ. सुमन चावला और सीक्रेट हार्ट स्कूल की प्रधानाचार्य नीना वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिले के 28 युवाओं ने भाग लिया, जिन्हें जिले के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहरों का अवलोकन कराने के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर व्याख्यान और परिचर्चाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

मुख्य अतिथि गिरीश चावला ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, युवा देश का भविष्य हैं, और देश का विकास उनकी सोच और कर्मठता पर निर्भर करता है। अगर युवा सशक्त और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करेंगे, तो देश किसी भी चुनौती का सामना कर सकता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी ऊर्जा और क्षमताओं का उपयोग समाज को सशक्त बनाने में करें। कार्यक्रम अध्यक्ष सत्यनारायण सुथार ने राजस्थान की विविध संस्कृति और वेशभूषा पर चर्चा करते हुए कहा, राजस्थान अपनी सांस्कृतिक धरोहर और विविध परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। हर 50 किलोमीटर पर यहां की बोली, पहनावा और रहन-सहन बदलता है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को इन विविधताओं को समझने और आपसी सौहार्द को बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। शिक्षाविद डॉ. सुमन चावला ने महिलाओं की आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए कहा, आज के समय में महिलाओं का सशक्त और आत्मनिर्भर होना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें अपनी भावनाओं और क्षमताओं पर नियंत्रण रखते हुए समाज में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाना चाहिए।

सीक्रेट हार्ट स्कूल की प्रधानाचार्य नीना वर्मा ने युवाओं को भारतीय संस्कृति के संरक्षण की प्रेरणा देते हुए कहा, आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी परंपराओं और मूल्यों को भूलते जा रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम हमें हमारी सांस्कृतिक धरोहर की महत्ता का बोध कराते हैं।

व्यापार मंडल कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। टाउन में सोमवार को व्यापार मंडल कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जयंती का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों और उनके योगदान से प्रेरित करना था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर नीलम गौड़, व्यापार मंडल बालिका माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती संजू गाड़ियां, और एनएसएस प्रभारी श्रीमती अनु मुंजल ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सेविकाओं की भी उपस्थिति रही, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नीलम गौड़ ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में युवाओं के लिए कई महत्वपूर्ण संदेश दिए, जिनमें आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास, और सामाजिक सेवा की भावना प्रमुख हैं। उनका कहना था कि युवा समाज की रीढ़ हैं और उनके भीतर असीमित शक्तियां छिपी होती हैं। स्वामी विवेकानंद ने हमेशा युवाओं को आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाज के कल्याण में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उनका संदेश था कि उठो, जागो और तब तक नहीं रुकना जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

सिंधी लैंग्वेज लर्निंग कोर्स 2025 की परीक्षा का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली द्वारा सिन्धी लेंग्वेज लर्निंग कोर्स स्कीम के तहत भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास के द्वारा सिंधी लैंग्वेज लर्निंग कोर्स परीक्षा-2025 राजस्थान के 26 केन्द्रों पर संपन्न कराई गई । हनुमानगढ़ में इस परीक्षा के आयोजन हेतु भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास के पदाधिकारी एवं परीक्षा संयोजक मंडल के सदस्य महामंत्री ईश्वर मोरवानी व बीकानेर संभाग प्रभारी मानसिंह मामनानी व पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष खजान चन्द शिवनानी उपस्थित रहे। जिला परीक्षा प्रभारी घनश्याम दास मेघवानी ने बताया की राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली की ओर से तीन प्रकार के कोर्स करवाए जाते हैं- सिन्धी सर्टिफिकेट कोर्स, सिन्धी डिप्लोमा कोर्स और सिन्धी एडवांस डिप्लोमा कोर्स। जिनकी सिन्धी भाषा अध्ययन केन्द्र पर एक अक्टूबर से लेकर 31 दिसंबर तक कक्षाएं नियमित रूप चलाई जा रही थी और निर्धारित

पाठ्यक्रम को पूर्ण करवाया गया। आज स्थानीय शिशु शिक्षा सदन उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिन्धी मोहल्ला में इनकी फाइनल परीक्षा हुई जिसमें 280 विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन किया हुआ था जिसमें से 211 बच्चे उपस्थित रहे। सभी परीक्षार्थियों को भारतीय सिंधु सभा एवं पूज्य सिंधी पंचायत हनुमानगढ़ टाउन के द्वारा पुरस्कार भी दिया गया। इस परीक्षा का अवलोकन पूज्य सिंधी पंचायत व भारतीय सिंधु सभा के पदाधिकारियों बालकिशन करमचंदानी, सुनील गंगवानी, प्रदीप ज्ञानानी, मुरलीधर सखीजा, धर्मदास सावलानी, वीरेंद्र कारयानी के साथ-साथ शिक्षामित्र मधु गांधी, करुणा केसवानी, विद्या साखीजा, अंशिका, प्रिया, रीना गेहानी, प्रियांश,रितु खत्री, पूजा बाबानी, चांदनी आसवानी, अशोक खेमनानी, अनिल भगनानी आदि उपस्थित ने सहयोग किया।

नगर परिषद ने चीनी माझा की बिक्री वाली दुकानों पर छापामारी

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। सोमवार को नगर परिषद द्वारा जिला कलेक्टर के आदेशानुसार मकर संक्रांति के अवसर पर पतंगबाजी महोत्सव को देखते हुए बाजार में चीनी माझा की बिक्री वाली दुकानों पर छापामेरी की गई। इस अवसर पर नगर परिषद ने चीनी मांझा, जिसे पाबंदी के बावजूद बाजार में बेचा जा रहा था, पर छापेमारी की और कई दुकानों से यह प्रतिबंधित सामग्री बरामद की। यह कार्रवाई जिले में सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए की गई, क्योंकि चीनी मांझा का इस्तेमाल पतंगबाजी में खतरे का कारण बनता है।नगर परिषद की स्वच्छता अधिकारी प्रेमलता पूरी और स्वच्छता अधिकारी जगदीश सिराव ने इस छापेमारी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि मकर संक्रांति के समय पतंग उड़ाने का उत्साह सभी में होता है, लेकिन इसका सही तरीके से आनंद लिया जाना चाहिए। चीनी मांझा, जो कांच और अन्य खतरनाक सामग्री से बना होता है, वह न केवल इंसानों के लिए खतरनाक होता है, बल्कि यह पक्षियों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकता है। इसके अलावा, चीनी मांझा पर्यावरण में भी हानिकारक प्रभाव डालता है, क्योंकि यह प्लास्टिक की तरह नष्ट नहीं होता है।

नगर परिषद ने विभिन्न दुकानों पर छापेमारी की और वहां से चीनी मांझा जब्त किया व जुर्माना लगाया गया । दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि यदि भविष्य में चीनी मांझा बेचा गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नगर परिषद के कर्मचारियों और स्वच्छता निरीक्षक नवल किशोर सहित नगर परिषद की टीम ने मौके पर मौजूद रहकर आवश्यक कार्रवाई की और दुकानदारों से समझाइश की। इसके अलावा, यह भी बताया गया कि पतंगबाजी के लिए सुरक्षित और पर्यावरण मित्र मांझा ही इस्तेमाल किया जाए, जो किसी प्रकार से हानिकारक न हो।

यह अभियान शहर में विभिन्न स्थानों पर चलाया गया और नगर परिषद की टीम ने सुनिश्चित किया कि इस छापेमारी के दौरान सभी दुकानों में उचित निगरानी रखी जाए। दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि यदि उन्होंने भविष्य में इस प्रकार की सामग्री बेची तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर परिषद के अधिकारियों ने बताया कि उनका उद्देश्य न केवल मकर संक्रांति के दौरान लोगों को सुरक्षित रखना है, बल्कि शहर में पर्यावरण की सुरक्षा और स्वच्छता को बढ़ावा देना भी है। नगर परिषद की इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय जनता में मिश्रित प्रतिक्रियाएँ आईं। कुछ लोगों ने इसे उचित कदम बताया, जबकि कुछ ने इसे ज़रूरत से ज्यादा सख्ती माना। हालांकि, यह स्पष्ट है कि इस प्रकार की छापेमारी से चीनी मांझा की बिक्री पर नियंत्रण पाया जा सकता है, जिससे न केवल लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी, बल्कि यह पर्यावरण को भी नुकसान से बचाएगा। इस प्रकार की कार्रवाइयाँ यह दिखाती हैं कि नगर परिषद और जिला प्रशासन मकर संक्रांति के पर्व को सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से मनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कदम शहरवासियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक सकारात्मक पहल है, जो भविष्य में और अधिक कारगर साबित हो सकती है।

सूरतगढ़ रनिंग कंपटीशन का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। विवेकान्द जयंती के उपलक्ष पर एरीज प्रोडक्शन द्वारा सूरतगढ़ रनिंग कंपटीशन का आयोजन किया गया यह प्रतियोगिता अन्डर 11 बच्चों के लिए आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

प्रतियोगिता तीन चरणों में की गई जो क्वार्टर फाइनल सेमी फाइनल और फाइनल में थी फाइनल में गौतम शर्मा प्रथम रहे सेकंड भवनेश और वंश तीसरे स्थान पर रहे प्रथम स्थान पर रहने वाले प्रतियोगी को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट, मेडल और 2100 केश प्राइस दिया गया।

द्वितीय स्थान पर रहने वाले को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट, मेडल और 1500 केश प्राइस दिया गया, तृतीय स्थान पर रहने वाले को ट्रॉफी मेडल सर्टिफिकेट और 1100 केश प्राइस इसके अलावा रनअप रहने वाले 6 प्रतियोगियों को सर्टिफिकेट मेडल और ट्रॉफी के साथ कैश प्राइज दिया गया प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले विजेताओं को शर्मा बाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से डायरेक्टर गोपाल शर्मा व प्रिंसिपल मोनिका शर्मा द्वारा प्राइज दिया गया.

प्रतियोगिता में रनअप रहने वाले प्रतियोगियों को सूरतगढ़ पब्लिक स्कूल, दुर्गा रेडीमेड, हर्ष कान्वेंट स्कूल, नवीन आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय व डीएवी पब्लिक स्कूल द्वारा प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक डूंगर राम गेदर, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरेश रिणवा, सदर पुलिस थाना अधिकारी कृष्ण कुमार बलवदा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष परसराम भाटिया, त्रिमुत्री मार्किट अध्यक्ष प्रमोद ज्याणी, भाजपा युवा नेता संदीप कासनिया, आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ इन्दर चुघ, आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर एस के सियाग ने दीप प्रज्वलित कर रिबन काट कर प्रतियोगिता का आरम्भ किया।

कार्यक्रम में अमरनाथ यात्रा लंगर समिति द्वारा अंकुरित मोठ, ज्ञान गंगा आश्रम द्वारा गर्म दुधऔर बिस्किट, बालाजी लंगर सेवा समिति द्वारा कॉफी की व्यवस्था की गई, मारवाड़ी युवा मंच सूरतगढ़ द्वारा साउंड और मारवाड़ी युवा मंच कॉटन सिटी द्वारा मेडिकल व एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। प्रतियोगिता का शहीद भगत सिंह अकादमी के कोच सलीम व् कोच भवानी और अखिल भारतीय डिफेन्स अकादमी के कोच मोहित सैन के सहयोग से यह रनिंग प्रतियोगिता सम्पन्न की गई इस मोके पर ह्यश्चह्य स्कूल से प्रवीण अरोडा, संस्कार आकडेमि की प्रिंसिपल सरिता वर्मा, ष्ठङ्क स्कूल से अजय जैन, धनवीर हुंदल, लखवीर सिंह, डॉ गौरव बलाना, व्यापर मंडल अध्यक्ष संजय सोनी, मनन संगीत कला से अली कादरी आदि मौजूद रहे।

भाट समाज का राज्य स्तरीय सम्मेलन संपन्न

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। भाट समाज का राज्य स्तरीय सम्मेलन महाराष्ट्र के शेगांव में भव्य आयोजन के साथ संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में देशभर से भाट समाज के सैकड़ों प्रतिनिधियों और समाजबंधुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में समाज की एकता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, नशामुक्ति, और युवाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष रामप्रताप उर्फ प्रकाशनाथ ने समाज में समरसता और जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज को शिक्षित और संगठित बनाना समय की मांग है। नशामुक्त समाज बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। कार्यक्रम में युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को रोजगार, शिक्षा और वैवाहिक मामलों में मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही, महिला शिक्षा और सशक्तिकरण पर विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। सम्मेलन में भाट समाज की समारिका और सत्य मेव न्यूज पाक्षिक समाचार पत्र का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मातृशक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मलाराव ने महिलाओं की भागीदारी और शिक्षा के महत्व पर अपने विचार रखे।

लोहड़ी महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। रेयान कॉलेज फॉर हायर एज्युकेशन में सोमवार को लोहड़ी महोत्सव बड़े धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के निदेशक करणवीर चौधरी और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष राजपुरोहितउपप्राचार्य अनिल शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। इसके पश्चात लोहड़ी की अग्नि प्रज्वलित कर पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया गया।

कार्यक्रम की संयोजक सुमीना यादव ने बताया कि महाविद्यालय में हर वर्ष लोहड़ी महोत्सव का आयोजन आपसी सौहार्द और भाईचारे को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जाता है। इस वर्ष भी विद्यार्थियों और स्टाफ के उत्साह ने इस आयोजन को विशेष बना दिया।

प्राचार्य डॉ. संतोष राजपुरोहित ने लोहड़ी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह त्योहार नई फसल, खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है। साथ ही, उन्होंने ÷ईसर आ, दरिद्र जा÷ पंक्ति का महत्व समझाते हुए इसके पीछे छिपे भावार्थ को सरल शब्दों में विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक गीतों और नृत्य ने पूरे माहौल को उल्लासमय बना दिया। छात्राओं की इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी और सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोहड़ी की पूजा के बाद पारंपरिक रेवड़ी, मूंगफली और गजक बांटी गई, जिससे त्योहार का आनंद और बढ़ गया।

कार्यक्रम का समापन सभी के सामूहिक नृत्य और गीतों के साथ हुआ, जिसमें महाविद्यालय के समस्त सदस्य शामिल हुए। इस आयोजन ने सभी को एकता और सांस्कृतिक धरोहर के महत्व का अनुभव कराया।

सड़क सुरक्षा माह के तहत दो वाहनों के चालान काटे

एक मोटरसाइकिल को सीज किया, 50 वाहनों के रिफलेक्टर लगाए

जनमार्ग न्यूज

घमंडिया। सड़क सुरक्षा माह के तहत सोमवार को रिड़मलसर चौकी पुलिस ने निरवाना घमंडिया मुख्य सड़क के 79 एलएनपी द्वितीय बस स्टैंड पर आने जाने वाले वाहनों को रिफ्लेक्टर लगाए। इस मौके पर एएसआई सुरेश चंद्र मीणा मीणा, कांस्टेबल धर्मेन्द्र गोदारा, राकेश कुमार ने सड़क पर चलने वाले कार , जीप , ट्रक, ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल आदि वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी । इस मौके पर कुल 50 से अधिक वाहनों के रिफ्लेक्टर लगाए गये। एएसआई सुरेश चंद्र मीणा ने बताया की यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों में दो वाहनों के चालान व एक मोटरसाइकिल को सीज किया गया।

अभ्युदय कार्यक्रम हर्षोउल्लास के साथ मनाया

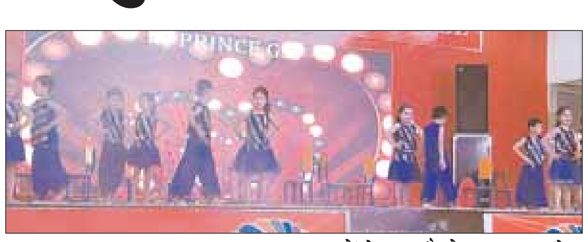

जनमार्ग न्यूज

गजसिंहपुर। कस्बे के अंग्रेजी माध्यम स्कूल पॉपिंस चिल्ड्रन वर्ल्ड के तत्वाधान में गजसिंहपुर रायसिंहनगर मार्ग पर स्थित राज रिसॉर्ट में पहला अभ्युदय कार्यक्रम हर्षो उल्लास के साथ आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएसपी अनु बिश्नोई रायसिंहनगर, पवन ज्योत सिंह हुंदल,जीवन सिंह हुंदल, हरजीत सिंह मिगलानी मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल चारु भारद्वाज ने की कार्यक्रम का आगाज मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। पॉपिंस चिल्ड्रन वर्ल्ड विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर वा वाही बटोरी विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नाटक ,भांगड़ा गिद्दा, एवं देश भक्ति ,बॉलीवुड एवं नन्हे मुन्ने बच्चों ने जल है तो कल का संदेश देते हुए प्रस्तुत किया। वहीं विद्यार्थियों के द्वारा बॉर्डर पर तैनात हमारे सैनिकों की अभिनव कला को दिखाते हुए अभिभावकों को भी मंत्र मुक्त कर दिया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान डीएसपी अनु बिश्नोई ने कहा कि अच्छी शिक्षा एवं संस्कार ही जीवन को एक नया रूप देते हैं हमें समाज को शिक्षित एवं सांस्कृतिक बनाने के लिए नियंत्रण प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवारों के लिए पढ़ाने के साथ-साथ उनकी युवा पीढ़ी को संस्कृत एवं सकारात्मक मार्गदर्शन की आवश्यकता है कार्यक्रमों से छात्रों में छिपी हुई प्रतिभा को निखारना आसान होता है इस मौके पर स्कूल के डायरेक्टर अमित भारद्वाज ने कहा कि सपने साकार करने का शिक्षा ही एकमात्र माध्यम है यदि लक्ष्य निर्धारित पर कठिन परिश्रम के साथ किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए गुरु का होना अति आवश्यक है अमित भारद्वाज ने मंच के माध्यम से अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागृत करने एवं अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रहने का आवाहन किया साथ ही जल बचाने एवं पेड़ों को अधिक से अधिक लगाने के लिए प्रेरित किया प्रिंसिपल चारु भारद्वाज ने बच्चों और अभिभावकों से आवाहन किया कि बच्चों को निमित्त रूप से सुबह विद्यालय भेजें ताकि बच्चे देश का भविष्य बना सकें बच्चे ही मात्र देश का भविष्य बनाने में कटिबंध है बच्चों के द्वारा मंच पर प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम एक से बढ़कर एक थे उन्होंने बच्चों की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसी कला बच्चों में ही देखने को मिलती है बच्चों की कला को निखारना शिक्षक का ही कार्य है। सम्मानित मंच पर विराजमान अतिथियों के द्वारा मंच के माध्यम से बच्चों की कला की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसा कार्यक्रम आज पहली बार देख रहे हैं। इस विद्यालय में अध्यनरत बच्चों स्टाफ एवं आयोजन कर्ताओं कि जितनी भी तारीफ की जाए उतनी ही कम है उन्होंने कहा कि हमारी डिक्शनरी में वे शब्द नहीं है जिससे हम इस विद्यालय के बच्चों की प्रशंसा कर सकें इस अवसर पर गजसिंहपुर, श्री करनपुर एवं पदमपुर के संस्था प्रधान ,अभिभावक गण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे मंच संचालन विद्यालय के स्टाफ के द्वारा ही किया गया।

लॉयन्स क्लब सिटी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। सोमवार को लॉयन्स क्लब हनुमानगढ़ सिटी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर क्लब के नवनियुक्त अध्यक्ष रविंद्र सिंगला, सचिव महक गर्ग और कोषाध्यक्ष योगेश गुप्ता ने अपने पदों की गरिमा और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण रीजन चेयरपर्सन लॉयन शिवशंकर खड़गावत, रीजन एडमिनिस्ट्रेटर प्रमोद खारीवाल और स्थापना अधिकारी राधाकृष्ण सिंगला द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान क्लब के पूर्व अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा, पूर्व सचिव गौरव बैद और पूर्व कोषाध्यक्ष शशांक सिंगला ने नवनिर्वाचित टीम को पदभार सौंपा। इस मौके पर नए अध्यक्ष रविंद्र सिंगला ने क्लब के उद्देश्यों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए समाजसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने क्लब के सभी सदस्यों को साथ मिलकर सामाजिक कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के दौरान लॉयन महक गर्ग को उनके उत्कृष्ट योगदान और सेवा कार्यों के लिए लॉयन ऑफ द ईयर सम्मान से नवाजा गया। अतिथियों ने महक गर्ग के समर्पण और सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि महक गर्ग ने अपनी कार्यशैली से समाजसेवा के क्षेत्र में मिसाल पेश की है। रीजन चेयरपर्सन शिवशंकर खड़गावत ने क्लब द्वारा किए गए सेवाकार्यों की प्रशंसा करते हुए नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि लॉयन्स क्लब हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़ा रहा है और सामाजिक उत्थान के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई है। खड़गावत ने उम्मीद जताई कि नई टीम भी सेवाकार्यों में नये कीर्तिमान स्थापित करेगी और समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

कार्यक्रम में अन्य अतिथियों और सदस्यों ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने लॉयन्स क्लब के योगदान को सराहा और क्लब की नई टीम को समाजसेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचने की शुभकामनाएं दीं। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी सदस्यों ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लिया। नई टीम ने क्लब की परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए सेवा और परोपकार के लिए प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया।

जरूरतमंदों के साथ लोहड़ी मनाकर वीरांगनाओ ने बांटी खुशी

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। सोमवार को युथ वीरांगनाओं ने सामाजिक समर्पण और सेवा का अद्भुत उदाहरण पेश करते हुए लोहड़ी का त्यौहार जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाया। इस दौरान बच्चों को मिठाइयां और गर्म कपड़े वितरित किए गए, जिससे उनके चेहरों पर मुस्कान खिल उठी। इस अवसर पर युथ वीरांगना संगठन की सदस्य भावना ने बताया कि त्यौहार का असली मतलब केवल अपने परिवार तक सीमित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷जरूरतमंदों के चेहरों पर खुशी लाकर त्यौहार मनाना ही सच्ची खुशी है।÷ उन्होंने यह भी बताया कि संगठन का उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों तक सहायता पहुंचाना है, ताकि वे भी त्योहारों की खुशियों का हिस्सा बन सकें।कार्यक्रम के तहत, शहर के विभिन्न इलाकों से गरीब और बेसहारा 50 बच्चों को एकत्र किया गया। इन बच्चों को न केवल मिठाइयां बांटी गई, बल्कि उन्हें ठंड से बचाने के लिए गर्म कपड़े भी दिए गए। वीरांगनाओं ने इन बच्चों के साथ समय बिताया, उनके साथ गाने गाए और लोहड़ी के पारंपरिक गीतों पर झूमते हुए त्योहार का आनंद लिया। कार्यक्रम में शामिल स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने युथ वीरांगनाओं के इस प्रयास की सराहना की। लोगों ने इसे समाज के प्रति सच्ची सेवा बताते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास से समाज में सहयोग और समर्पण की भावना को बढ़ावा मिलता है। सलोचना चौधरी, और दीपा बजाज ने बताया कि संगठन समय-समय पर इस तरह की गतिविधियां आयोजित करता है। उनका कहना है कि यदि हर कोई अपनी खुशी में जरूरतमंदों को भी शामिल करे, तो समाज में समरसता और भाईचारे का भाव मजबूत होगा। लोहड़ी का यह विशेष आयोजन न केवल जरूरतमंद बच्चों के लिए एक सुखद अनुभव था, बल्कि इसे देखने वालों के लिए भी एक प्रेरणा बन गया। समाज मे सकारात्मक बदलाव लाने के इस प्रयास ने दिखाया कि जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो छोटी पहलें भी बड़ी प्रेरणा बन सकती हैं। इस अवसर पर भावना, ऐशना ,संगीता, मीनू ,मीनाक्षी, सरोज, कंचन इत्यादि मौजूद रही।

अरोड़वंश सभा ने धूमधाम से मनाया लोहड़ी पर्व

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। अरोड़वंश सभा हनुमानगढ़ जंक्शन द्वारा सोमवार को लोहड़ी पर्व को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थिति दर्ज करवाई और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए विधिवत पूजा अर्चना की। कार्यक्रम की शुरुआत लोहड़ी जलाकर की गई, जिसमें सेवानिवृत्त आईजी गिरीश चावला, डॉ. बीके चावला, श्री अरोड़वंश सभा के अध्यक्ष खैराती लाल मदान, सचिव एडवोकेट मोहन मुंजाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप मदान राजू, श्री अरुट जी महाराज चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मुंजाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक नारंग, उपाध्यक्ष छगन वॉट्स, सचिव पवन ठठई, कोषाध्यक्ष किशन सेतिया, युवा अध्यक्ष अनिल गक्खड़, सुमित सुखीजा, गिरधारीलाल कालड़ा, जगंलाल भूतना, जयकिशन चावला लवली और गणेश गिल्होत्रा ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई।

विवाहिता को बंधक बनाकर दुष्कर्म का आरोप

● सदर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा ● आरएमपी डॉक्टर देता था नशे की दवाइयां

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। दो बच्चों की मां को अगवा कर 3 महीने तक बंधक बनाए रखकर दुष्कर्म करने का एक मामला उजागर हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय हनुमानगढ़-अबोहर बाईपास पर स्थित एक गांव की निवासी दो बच्चों की मां 35 वर्षीय महिला ने सदर थाना में रिपोर्ट दी है,जिस पर रामकुमार और सात-आठ अन्य व्यक्तियों पर अपहरण, मारपीट, दुष्कर्म, छीना-झपटी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।मामले की जांच डीएसपी(अजा/जजा) विष्णु खत्री द्वारा की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पीड़िता ने बताया है कि रामकुमार पिछले काफी समय से उसे परेशान कर रहा था। वह विगत 1 अक्टूबर को कालूवाला बाईपास पर जा रही थी। तभी रामकुमार और उसके चार-पांच साथी दो मोटरसाइकिलों पर आए तथा उसे जबरदस्ती अपने साथ ले गए।उसे रायसिंहनगर के एक गुरुद्वारा में ले जाया गया। जहां तीन-चार दिन तक बंधक बनाए रखा। वहां से 5 अक्टूबर को रामकुमार तथा उसके साथी उसे श्रीगंगानगर ले आए। श्रीगंगानगर की कचहरी में उसे कुछ कागजातों पर हस्ताक्षर करवा लिए। पीड़िता के मुताबिक वह अनपढ़ है। जिन कागजों पर हस्ताक्षर करवाए गए उसे पर क्या लिखा था, वह

भी उसे पढ़कर नहीं सुनाया गया। वहां से आरोपी उसे अनूपगढ़ थाना क्षेत्र के गांव गिलांवाली में ले गए। इस गांव में रामकुमार ने उसे अपने एक रिश्तेदार के यहां बंधक बना लिया। वहां रणवीर नामक एक आरएमपी डाक्टर उसे नशे की दवाई देता था। नशे की दवा देकर उसे एक कमरे में बंद रखा जाता था। इस दौरान रामकुमार उसे लगातार जबरदस्ती दुष्कर्म करता रहा।उसे और उसके बच्चों को मार देने की धमकी भी देता रहा। पुलिस सूत्रों के अनुसार पीड़िता ने आरोप लगाया है कि रामकुमार और उसके साथियों ने मारपीट कर उसके पहने हुए सोने चांदी के जेवरात भी ले लिए। महिला ने इस सारे घटनाक्रम में रामकुमार के माता-पिता तथा कुछ रिश्तेदारों समेत 8-9 व्यक्तियों को नामजद किया है। उसने बताया कि विगत 6 जनवरी को उसे गिलांवाली में रामकुमार के रिश्तेदारों के यहां से भाग निकलने का मौका मिल गया।

पुरानी आबादी में विधवा ने लगाया यौन शोषण का आरोप

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। पुरानी आबादी थाना में 27 वर्षीय एक विधवा युवती ने एक युवक पर शादी करने का झांसा देकर तीन-चार महीने तक यौन शोषण करने और फिर मारपीट कर घर से निकाल देने का आरोप लगाते मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार हिंदूमालकोट थाना क्षेत्र के एक सीमावर्ती गांव की निवासी युवती ने विगत दिवस थाने में आकर रिपोर्ट दी,जिसके आधार पर प्रवीण नामक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। युवती ने बताया है कि वह विधवा है और पिछले वर्ष उसकी जान-पहचान प्रवीण नामक युवक से हो गई।

मोटरसाइकिल रेलिंग से टकराया, युवक की मौत

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। अनूपगढ़ थाना क्षेत्र में चक 75-जीबी के समीप मोटरसाइकिल रोड किनारे रेलिंग से टकराने से एक युवक की मृत्यु हो गई।हादसे की जांच कर रहे हवलदार सज्जनकुमार ने बताया कि श्रीविजयनगर थाना क्षेत्र के चक 37-जीबी का निवासी शैलेंद्रसिंह मजहबी सिख (23)अनूपगढ़ में घडसाना रोड पुलिया के पास शराब ठेके के नजदीक अंडों की रेहडी लगाता था। वह रविवार रात 11:30 बजे मोटरसाइकिल पर अनूपगढ़ से अपने गांव जा रहा था। अनूपगढ़-सूरतगढ़ रोड स्टेट हाईवे पर चक 75-जीबी के पास घना कोरा होने के कारण उसकी मोटरसाइकिल सड़क किनारे लोहे की रेलिंग से टकरा गया, जिससे उसके सिर में गहरी चोट लगी। अत्यधिक रक्त स्त्राव होने से वह मौके पर ही दम तोड़ गया। उसके चाचा जसपालसिंह मजहबी सिख (40)द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज की गई है।मृतक शैलेंद्रसिंह मूल रूप से अनूपगढ़ थाना क्षेत्र में ही चक 4-एमएसआर का निवासी था।

बिहाणी चिल्ड्रन एकेडमी में खेलकूद प्रतियोगिताएं

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। बिहाणी चिल्ड्रन्स एकेडमी में मंगलवार को खेलकूद दिवस का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों ने भाग लिया। बीसीए की प्राचार्य नलिनी धींगड़ा ने बताया कि स्पोर्टस डे के तहत 100 मीटर दौड़, रस्साकशी, फुटबॉल, कबड्डी जैसी स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। निदेशक कमलजीत सिंह सूदन ने बताया कि विजेता खिलाड़ियों को बुधवार को पुरस्कृत किया जाएगा।

जिले में 12 मेडिकल स्टोर के अनुज्ञापत्र निलम्बित

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। जिले में नशे की औषधियों की अवैध क्रय-विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जिला कलक्टर के आदेशों पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग की औषधि विंग के अधिकारियों द्वारा विभिन्न मेडिकल स्टोर की जांच व निरीक्षण किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार की कमियां व अनियमितता पाये जाने पर 12 मेडिकल स्टोर के अनुज्ञा पत्र निलम्बित तथा एक निरस्त किया गया है। सहायक औषधि नियंत्रक अशोक कुमार मित्तल ने बताया कि जय द्वारका धीश मेडिकल स्टोर श्रीकरणपुर का 20 जनवरी से 29 जनवरी, बोनस-सैल्स फार्मास्यूटिकल्स प्राईवेट लिमिटेड सादुलशहर का 20 जनवरी से 3 फरवरी, जगदम्बा मेडिकोज 11 पी अनूपगढ़ का 20 से 29 जनवरी, गोल्डन फार्मा श्रीगंगानगर का 3 फरवरी से 5 फरवरी, राम कृपा मेडिकल स्टोर श्रीगंगानगर का 3 फरवरी से 5 फरवरी, अक्षय मेडिकल स्टोर चक 1 एनजेपी-बी रायसिंहनगर का 3 फरवरी से 12 फरवरी, ब्रेन केयर मेडिकल स्टोर सूरतगढ़ का 3 फरवरी से 5 फरवरी, माईन्डकेयर मेडिकल स्टोर सूरतगढ़ का 3 फरवरी से 5 फरवरी, दीप मेडिकोज अनूपगढ़ का 3 फरवरी से 12 फरवरी सहित अन्य मैडिकल स्टोर का अनुज्ञा पत्र निरस्त किया गया है।

श्रमिक उपलब्ध करवाने के नाम पर 4 लाख की ठगी

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। एक ईंट भट्ठा के संचालक को भट्टे पर काम करने के लिए श्रमिक उपलब्ध करवाने का झांसा देकर चार लाख की ठगी करने का मामला सामने आया है। नई मंडी घड़साना थाना पुलिस के मुताबिक हंसराज जाट निवासी चक 2- एसटीवाई सताइया द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर हनुमान नायक निवासी खारडा,नागौर और घुकरसिंह निवासी चक 6-एमएलडी घडसाना के विरुद्ध धोखाधड़ी व जालसाजी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक हंसराज ने रिपोर्ट में बताया है कि विगत अक्टूबर महीने में हनुमानराम और सुरेंद्र उसके ईंट भट्ठे पर आए और मजदूरों को एडवांस मजदूरी देने के लिए चार लाख रुपए ले गए।

बाइक सवार गौशाला का दानपात्र उठाकर फरार

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। स्थानीय सदर थाना अंतर्गत चक 7- ई (छोटी)की रामलाल कॉलोनी में कल सोमवार रात्रि लगभग 9.30 बजे मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक एक किरयाना स्टोर से गौशाला का दान पात्र उठाकर फरार हो गए। घटना पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में दिख रहा है कि करीब 9.30 बजे मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक किरयाना स्टोर दुकान पर आकर रुके। एक मोटरसाइकिल स्टार्ट करके खड़ा रहा और दूसरा युवक दुकान में कोई वस्तु खरीदने का नाटक करने लगा। इसी दौरान उसने काउंटर पर गौशाला

दान पात्र के ऊपर रखे एक-दो डिब्बे उठाकर दूसरी तरफ रख दिए।फिर दुकानदार को चकमा देते हुए वह बड़ी फुर्ती से दान पात्र उठाकर मोटरसाइकिल सवार युवक के साथ जाकर बैठ गया। तभी दुकानदार युवक लाठी लेकर और एक अन्य महिला उक्त युवकों के पीछे दौड़ कर आए। दुकानदार युवक ने मोटरसाइकिल सवारों पर लाठी से वार भी किया लेकिन तब तक वे मोटरसाइकिल दौड़ा चुके थे। लाठी से वार करते हुए युवक सड़क पर गिर गया। मोटरसाइकिल सवार युवकों का कुछ पता नहीं चल सका। दान पात्र में गौशाला के लिए चढ़ने की राशि थी।

छत से गिरे घायल मजदूर की मौत

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। स्थानीय साधु कॉलोनी में लगभग 15 दिन पहले एक निर्माणाधीन मकान की छत से गिरने से घायल हुए एक युवा मजदूर की मृत्यु हो गई। जवाहरनगर पुलिस के अनुसार चक 3-ई(छोटी) निवासी रामचंद्र (23) विगत 29 दिसंबर को साधु कॉलोनी में एक निर्माणाधीन मकान में मजदूरी करते समय छत से गिरने से घायल हो गया था। जांच अधिकारी हवलदार गुलाबसिंह के अनुसार रामचंद्र के सिर,कूल्हे और रीढ की हड्डी पर काफी गंभीर चोट लगी। उसका एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था।

अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त सहित आरोपी गिरफ्तार

● आरोपी के कब्जे से 43 किलो 710 ग्राम पदार्थ डोडा पोस्त बरामद

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। पुलिस उप महानिरीक्षक सह जिला पुलिस अधीक्षक गौरव यादव के निर्देशानुसार नशे व अवैध मादक तस्करी की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत घड़साना थाना पुलिस ने एक आरोपी से 43 किलो 710 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त बरामद किया है। घड़साना थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस निरीक्षक कलावती चौधरी ने मय थाना स्टाफ आरोपी भूरासिंह पुत्र औमसिंह निवासी चक 3 जीडी पुलिस थाना नई मंडी घडसाना के कब्जे से 43 किलो 710 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त बरामद कर

आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस थाना घड़साना में एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान अनूपगढ़ पुलिस थानाधिकारी अनिल कुमार को सौंपी गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम में पुलिस निरीक्षक कलावती चौधरी, हैड कांस्टेबल शेरसिंह, कांस्टेबल विनोद, कांस्टेबल राजेश, कांस्टेबल महावीर, कांस्टेबल बलदेव, कांस्टेबल हरनेक चालक व हैड कांस्टेबल शेरसिंह तथा कांस्टेबल विनोद कानि. की विशेष भूमिका रही।

बुजुर्ग व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। स्थानीय रेलवे स्टेशन के वॉशिंग यार्ड एरिया में एक बुजुर्ग व्यक्ति की रेलगाड़ी से कट जाने से मृत्यु हो गई। जीआरपी थाना प्रभारी धर्मपाल लेघा ने बताया कि लगभग

60 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति के शव को जिला अस्पताल के मुर्दाघर में सुरक्षित रखवाया गया है। उसके दाएं हाथ की कलाई पर कृष्ण भगवान की मूर्ति गुदी हुई है।बाएं हाथ पर हिंदी में कुछ लिखा हुआ है,जो कि पढ़ने में नहीं आ रहा। यह बुजुर्ग परसों रविवार शाम लगभग 4 बजे वॉशिंग यार्ड एरिया में दौड़ते हुए आया और ट्रेन से कट गया। उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। उसके शरीर के दो हिस्से अलग-अलग स्थानों पर क्षत- विक्षत हालत में मिले। ट्रेन मैनेजर यूनुस अहमद द्वारा दिए गए मेमो के आधार पर जीआरपी थाना में मार्ग रिपोर्ट दर्ज की गई है।उन्होंने बताया कि मृतक ने पैंट, शर्ट और कोट पहना हुआ है। अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हुई है।

घने कोहरे के कारण ट्रैक्टर-ट्राली और बस में भिड़ंत, युवक घायल

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। स्थानीय सदर थाना अंतर्गत पदमपुर मार्ग पर चक 5-ए मौजपुर के पास आज सुबह घने कोहरे के चलते ट्रैक्टर ट्राली और रोडवेज की बस में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में ट्रैक्टर ट्राली चला रहा युवक साहिल निवासी ततारसर बुरी तरह से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक साहिल को लोगों ने जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जिसे बाद में परिवारजन इलाज के लिए एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले गए हैं। अभी इस दुर्घटना का मामला दर्ज नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार राजस्थान रोडवेज की बस आज सुबह केंद्रीय बस अड्डा से पदमपुर के लिए रवाना हुई थी, जबकि साहिल ट्रैक्टर ट्राली में गाजरे लेकर श्रीगंगानगर की तरफ आ रहा था। घने कोहरे के कारण मौजपुर के समीप दोनों वाहनों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर काफी जोर से हुई। ट्रैक्टर ट्रॉली और बस के आगे वाले हिस्से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। सदर थाना पुलिस के मुताबिक बस के यात्रियों में से किसी के भी कोई चोट नहीं आई। इस हादसे के कारण पदमपुर मार्ग पर काफी देर तक यातायात प्रभावित हुआ।

अवैध हैरोइन, शराब और हथियार सहित तीन गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले में पुलिस ने बीते 24 घंटे के दौरान तीन युवकों को अवैध रूप से हैरोइन शराब और हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना पुलिस ने कल देर रात को रोहित चाणना निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पुरानी आबादी को 5.94 ग्राम अवैध हेरोइन सहित गिरफ्तार किया। पूछताछ करने पर खुलासा हुआ कि रोहित ने परसों ग्रीन वैली निवासी नीशू उर्फ शिवम कटारिया नामक व्यक्ति के घर जाकर उससे 17500 में 7 ग्राम हैरोइन खरीदी थी। उसने कुछ रुपए शिवम कटारिया द्वारा दिए गए बैंक अकाउंट नंबर में जमा करवा जबकि कुछ रुपए उसे नगद दिए।कुछ रूपो कि उसने उधार भी की। रोहित के खिलाफ दर्ज किए गए मुकदमे की आगे जांच जवाहरनगर थाना में सब इंस्पेक्टर रोहिताश पूनिया को दी गई है। जांच अधिकारी ने बताया कि रोहित पर पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के दो-तीन मामले दर्ज हैं।वह नशा करने का आदी है और अवैध रूप से हैरोइन बेचता है। इस बीच सादुलशहर पुलिस ने कल शाम गांव खेरुवाला में सरकारी स्कूल के पास गुरमेलसिंह (21) निवासी अमरपुरा थेड़ी को मोटरसाइकिल पर 25 लीटर अवैध हथकड़ी शराब ले जाते हुए गिरफ्तार किया। श्रीविजयनगर पुलिस ने गांव बिलोचिया और चक 33-जीबी के बीच कल शाम को प्रमोद भाटी(2) निवासी चक 12-बीएलएम को एक तेज धार वाली बरछी अवैध रूप से रखने के आरोप में गिरफ्तार किया। गुरमेलसिंह और प्रमोद भाटी के खिलाफ आबकारी अधिनियम तथा आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

पानी की चोरी करते पकड़े किसानों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं होने से पुलिस के खिलाफ आक्रोश

● गुरुद्वारा सिंह सभा में बैठक के बाद किसानों ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, पानी चोरों की गिरफ्तारी की मांग

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। जिले के केसरीसिंहपुर थाना क्षेत्र में गंग कैनाल की एफ नहर की बुर्जी संख्या 137 के नजदीक सवा महीने पहले रात्रि को नहरी पानी की चोरी रंगे हाथों पकडे गए दो किसान भाइयों के खिलाफ दर्ज मुकदमे में कोई कार्यवाही नहीं किए जाने को लेकर किसानों में आक्रोश व्याप्त है। आज बड़ी संख्या में किसानों ने गुरुद्वारा सिंह सभा में बैठक करने के बाद पानी चोरी के दोषी किसानों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करने वाले केसरीसिंहपुर थाना प्रभारी को निलंबित करने की मांग करते हुए कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। किसानों के शिष्टमंडल ने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर

सारे मामले से अवगत करवाया। किसानों ने कुछ देर कलेक्ट्रेट पर धरना भी दिया। गुरुद्वारासिंह सभा में हुई बैठक में गंग कैनाल प्रोजेक्ट चेयरमैन हरविंदरसिंह गिल, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रवक्ता रवींद्र तरखान,चमकौरसिंह तथा विक्रमजीत सिंह आदि किसान नेताओं ने संबोधित किया। उन्होंने नहरी पानी चोरी के उक्त मामले के सारे तथ्य उपस्थित किसानों के समक्ष रखें। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक, विभागीय और पुलिस संरक्षण के चलते पानी चोरी करने वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जा रही। उल्टा पानी चोरी पकड़ने वाले किसानों पर ही पानी चोरों ने मुकदमा दर्ज करवा दिया। वक्ताओं ने इस झूठे मुकदमे में अंतिम प्रतिवेदन(एफआर) लगाने की मांग की है। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर पुलिस ने जल्दी सख्त कार्यवाही नहीं की तो कड़ा आंदोलन किया जाएगा। जल उपभोक्ता संगम के अध्यक्ष हरप्रीतसिंह ढिल्लों तथा उनके साथी किसानों ने तीन-चार दिसंबर की रात लगभग 10 बजे गंग कैनाल की एफ नहर की बुर्जी संख्या 137 (चक 36 एफ) मोघा के पास 10 इंच की पाइप लगाकर पानी चोरी करते हुए दो-तीन किसानों को पकड़ा था। मौके पर मौजूद किसानों ने पानी चोरी होते के वीडियो बनाए। वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हुए।

मानसिक परेशानी के चलते वृद्ध ने की आत्महत्या

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। घमूढवाली थाना क्षेत्र के गांव नरसिंहपुरा में एक बुजुर्ग व्यक्ति ने रात को अपने घर के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के मुताबिक नरसिंहपुरा निवासी पवन मेघवाल द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर उसके पिता पतराम(60) द्वारा खुदकुशी कर लिए जाने का मामला दर्ज किया गया है।जांच कर रहे एएसआई नूर मोहम्मद ने बताया कि पतराम रविवार रात को खाना खाकर घर में बाहर की तरफ बने अपने कमरे में सोने के लिए चला गया था। अगले दिन सोमवार सुबह उसकी पत्नी चाय देने के लिए कमरे में गई तो वह फंदे पर लटक रहा था। परिवार जनों का कहना है कि पतराम ने मानसिक परेशानी के चलते खुदकुशी कर ली। जांच अधिकारी के अनुसार पतराराम ने पहले भी दो बार खुदकुशी करने की कोशिश की थी।कल सोमवार को पोस्टमार्टम करवाने के बाद लाश परिवार वालों के सुपुर्द कर दी गई।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692